राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 9 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–43 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बोले पीएम मोदी- यह गर्व की बात है, महिला देश की वित्त मंत्री हैं

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि यह गौरव की बात है कि देश की वित्त मंत्री एक महिला है और उन्होंने एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए इस वर्ष बहुत ही प्रगतिशील बजट पेश किया। ''विकास और आकांक्षी अर्थव्यवस्था के लिए वित्तपोषण विषय पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए उसमें शामिल महिलाओं को प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने कहा, ''यह गौरव की बात है कि हम आज जब बजट के संदर्भ में चर्चा कर रहे हैं तो भारत जैसे विशाल देश की वित्त मंत्री भी एक महिला हैं, जिन्होंने इस बार देश को एक बड़ा प्रगतिशील बजट दिया है। ज्ञात हो कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को लगातार चौथी बार केंद्रीय बजट पेश किया था। इससे पहले, प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को नमन किया और कहा कि केंद्र सरकार सम्मान और अवसरों पर विशेष जोर के साथ अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तीकरण पर अपना ध्यान केंद्रित करती रहेगी। उन्होंने ट्वीट किया, ''भारत की विकास यात्रा में अपनी नारी शक्ति को आगे रखने के लिए वित्तीय समावेश से लेकर सामाजिक सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल से लेकर आवास, शिक्षा से लेकर उद्यमिता जैसे कई प्रयास किए गए। आने वाले समय में ये प्रयास और जोश के साथ जारी रहेंगे। पीएम मोदी ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''महिला दिवस पर मैं नारी शक्ति और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों को नमन करता हूं। भारत सरकार सम्मान और अवसरों पर विशेष जोर के साथ अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तीकरण पर अपना ध्यान केंद्रित करती रहेगी। आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।

कोटा शहर में चोरों के हौंसले बुलंद, हार्डवेयर की दुकान को बनाया निशाना

नई दिल्ली। कोटा शहर के गुमनामपुरा थाना इलाके में चोरी का मामला सामने आया हैं। चोरों की हिम्मत इतनी बढ़ गई हैं कि उन्हे थाना मौजूद इलाके में भी चोरी करने से डर नहीं लगा। चोरों ने एक हार्डवेयर की दुकान को निशाना बनाया और गल्ले से पैसे चुरा ले गए। चोर दुकान का शटर ऊपर कर अंदर घुस गए और दुकानदार के गल्ले से नगदी चुरा ली। सुबह दुकानदार जब दुकान पर आया तो पता चला कि उसकी दुकान में चोरी हो गई हैं। दुकानदार ने पुलिस को खबर की, पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायज़ा लिया। चोरों ने दुकानदार के सारी पूंजी चुरा ली, जिस कारण दुकानदार का भारी नुकसीन हो गया हैं। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटिवी कैमरा को भी खंगाल डाला हैं। दुकानदार हितेश ने बताया कि तीन चोरों ने पहले तो दुकान का शटर ऊंचा किया जिसके बाद दो चोर आस-पास नज़र बनाए हुए थे और इतने में एक चोर दुकान के अंदर दाखिल गो गया। जानकारी के अनुसार चोरों ने 10 हजार से भी ज्यादा की रकम चुराई हैं। दुकानदार ने यह भी बताया कि चोर पहले भी इस तरह के कारनामे कर चुकें हैं और सीसीटिवी कैमरा का डीवीआर भी खोलकर ले गए थे। लेकिन इस बार चोरों को डीवीआर नहीं मिला जिस कारण उनके कारनामें कैमरा में कैद हो गए और चोरों के चेहरे सामने आ गए।

कच्चे तेल का भाव बढ़कर 140 डॉलर प्रति बैरल

रूस-यूक्रेन जंग के बीच कच्चे तेल का भाव बढ़कर 140 डॉलर प्रति बैरल, क्या पीएम बढ़ाएंगे पेट्रोल-डीज़ल के रेट?

नेशनल डेस्क।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने मंगलवार को कहा कि जब कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे निचले स्तर पर थे तब नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार ने इसका फायदा लोगों को नहीं दिया, लिहाज़ा रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते उसके पास ईंधन के मूल्यों में वृद्धि करने कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश और चार अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही केंद्र सरकार ईंधन की खुदरा मूल्य में 'आसन्न वृद्धि पर विचार करती हुई प्रतीत हो रही है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन जंग के मद्देनजर वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़कर 140 डॉलर प्रति बैरल हो गए हैं। महेश तापसे ने कहा, जब कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूलय अपने न्यूनतम स्तर पर थे तब तो मोदी सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल की कीमत कम करके लोगों को कोई राहत नहीं दी थी। लिहाज़ा, मोदी सरकार को कच्चे तेल की कीमतें बढ़ाने का रोना नहीं रोना चाहिए और उसके पास आगामी दिनों में पेट्रोलियम उत्पादों के खुदरा मूल्य में वृद्धि के बारे में सोचने तक का नैतिक अधिकार नहीं है। लिहाज़ा, मोदी सरकार को कच्चे तेल की कीमतें बढ़ाने का रोना नहीं रोना चाहिए और उसके पास आगामी दिनों में पेट्रोलियम उत्पादों के खुदरा मूल्य में वृद्धि के बारे में सोचने तक का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को बोझ को वहन करना चाहिए और पेट्रोलियम उत्पादों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी से नागरिकों को राहत देनी चाहिए।

चुनाव नतीजों से पहले पीएम मोदी से मिलकर बोले प्रमोद सावंत- मैं ही गोवा का सीएम बनूंगा

नई दिल्ली। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने एक्जिट पोल में राज्य में खंडित जनादेश के अनुमान जताए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सावंत ने विधानसभा चुनाव जीतने और क्षेत्रीय दलों की मदद से राज्य में अगली सरकार बनाने का भरोसा जताया। गोवा में 14 फरवरी को विधानसभा चुनाव हुए थे और मतगणना 10 मार्च को होनी है। गोवा में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस जैसे मुख्य दलों के साथ तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस ने भी अपने-अपने उम्मीदवार उतारे। राज्य में भाजपा के कद्दावर नेता और 4 बार गोवा के मुख्यमंत्री रहे मनोहर परिकर के निधन के बाद विधानसभा का यह पहला चुनाव है। वर्ष 2017 के चुनाव में कांग्रेस 17 सीटें जीतने के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन भाजपा ने क्षेत्रीय दलों के समर्थन से उसे सत्ता से बाहर कर दिया था। वर्ष 2022 के चुनाव में महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया था, जबकि गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन किया। वहीं, पीएम मोदी से मिलने के बाद खुद प्रमोद सावंत ने कहा है कि उन्होंने पीएम मोदी से चुनावों को लेकर चर्चा की।उन्होंने कहा कि मैंने आज पीएम मोदी से मुलाकात कर चुनावी चर्चा की। हम अधिकतम सीटों के साथ सरकार बनाएंगे, उन्होंने कहा कि मैंने आज पीएम मोदी से मुलाकात कर चुनावी चर्चा की। हम अधिकतम सीटों के साथ सरकार बनाएंगे, मुझे लगता है कि एक बार फिर से मुझे सेवा करने का मौका दिया जाएगा...(गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में)। अगर बीजेपी ने ऐसा कहा है (मुख्यमंत्री के रूप में उनकी उम्मीदवारी), तो यह निश्चित रूप से होगा। भाजपा जैसा कहती है वैसा ही करती है।

गोवा: मतगणना से पहले कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को होटल में रखेगी, भाजपा नेता फडणवीस से मिलेंगे

नेशनल डेस्क।

चुनाव बाद सर्वेक्षण (एक्जिट पोल) में गोवा में त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणियों के एक दिन बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गयी है। कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को एकजुट रखने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और उन्हें रिसॉर्ट में लेकर जाने की योजना बना रही है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की, जबकि गोवा के अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस से मुंबई में मिलने की योजना बना रहे हैं। गोवा विधानसभा की कुल 40 सीटों के लिए 14 फरवरी को मतदान हुआ था और मतों की गिनती मडगांव और पणजी में 10 मार्च को होगी। निवर्तमान विधानसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 17 से घटकर दो रह गयी है। पांच साल में इसके 15 विधायक भाजपा में शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को एकजुट रखने का कोई भी प्रयास बाकी नहीं छोड़ेगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''कांग्रेस के सभी उम्मीदवार उत्तरी गोवा के एक रिसॉर्ट में बुधवार को रहेंगे, जहां से वे मतगणना केंद्रों तक जाएंगे। कांग्रेस ने अपने सभी विजेता उम्मीदवारों को परिणाम आने के बाद पार्टी कार्यालय पहुंचने को कहा है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा, ''हमें अपने उम्मीदवारों पर पूरा भरोसा है, लेकिन हम कोई मौका देना नहीं चाहते। इस बीच मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राजधानी दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। गोवा भाजपा को वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्होंने 'फुल-प्रूफ रणनीति तैयार की है, ताकि पार्टी राज्य में अपनी सत्ता कायम रखे। भाजपा ने अपने सभी विजेता उम्मीदवारों से कहा है कि वे बृहस्पतिवार को मतगणना के बाद पणजी स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचें। उन्होंने कहा, ''हम अपने नेता का निर्धारण करने और सरकार गठित करने में समय नहीं गंवाएंगे। उन्होंने कहा, ''हम अपने नेता का निर्धारण करने और सरकार गठित करने में समय नहीं गंवाएंगे। उधर, तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि वह सात-आठ सीट जीतेगी तथा उसके गठबंधन सहयोगी को एमजीपी को चार-पांच सीट मिलेंगी तथा उसके बाद वह मुख्यमंत्री पद के लिए मोलजोल करेगी। टीएमसी के प्रदेश प्रमुख किरण कंडोलकर ने कहा, ''हमें कोई डर नहीं है कि हमारे उम्मीदवार पार्टी छोड़ देंगे। हम यह भी जानते हैं कि टीएमसी और महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) के सहयोग के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी।

यूक्रेन के सुमी में फंसे सभी 694 भारतीय विद्यार्थी निकाले गए : केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

नेशनल डेस्क। केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि युद्धग्रस्त यूक्रेन के सूमी शहर से भारतीय छात्रों को निकालना शुरू कर दिया गया है और छात्र बसों में सवार हो कर पोलतावा शहर के लिए रवाना हो गए हैं। पुरी ने पत्रकारों से कहा, '' मैंने नियंत्रण कक्ष में बात की है, बीती रात तक सूमी में 694 भारतीय छात्र थे।वे सभी बसों से पोलतावा के लिए रवाना हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की थी वे सभी बसों से पोलतावा के लिए रवाना हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की थी और सूमी से भारतीय छात्रों कोसुरक्षित निकालने के सुरक्षित निकालने के तरीकों पर चर्चा की थी, जो पूर्वी यूरोपीय देश पर रूस के हमले के बाद वहां फंस गए हैं। भारत, अब तक युद्धग्रस्त यूक्रेन से अपने 17,100 से अधिक नागरिकों को वापस स्वदेश लाने में कामयाब रहा है।

महाराष्ट्र: आदित्य ठाकरे और अनिल परब के सहयोगियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र में शिवसेना के नेताओं पर आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है। आयकर विभाग ने मंगलवार को शिवसेना नेताओं और महाराष्ट्र के मंत्रियों आदित्य ठाकरे और अनिल परब के करीबी सहयोगियों के कार्यालय और आवास पर छापेमारी कर रहा है। मुंबई और पुणे में छापेमारी की जा रही है। वहीं, इस छापेमारी को आदित्य ठाकरे ने भाजपा द्वारा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करार दिया। आदित्य ठाकरे ने केंद्रीय एजेंसियां पर भारतीय जनता पार्टी की प्रचार मशीनरी होने का आरोप लगाया है। आदित्य ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय एजेंसियां भाजपा की प्रचार मशीनरी बन गई हैं, लेकिन महाराष्ट्र झुकेगा नहीं। यह टिप्पणी आयकर विभाग की ओर से शिवसेना नगरसेवक और बृहन्मुंबई नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव के परिसरों की तलाशी के बाद आई है।

राम मंदिर निर्माण के लिए मिले चंदे के पैसे से यक्रेन में लोगों की मदद करेंगे मोरारी बापू, दान किए करोड़ो

नई दिल्ली।

रूस के हमले से तबाही की कगार पर खड़ा यूक्रेन की स्थिति इन दिनों काफी दयनीय हो गई है। अब तक लाखों लोग अपना देश छोड़ अन्य देश और शहरों में शरण ले रहे है। जहां भारत सरकार आप्रेशन गंगा के तहत भारतीय छात्रों को वहां से निकाल रही है वहीं यूक्रेनियन लोगों की मदद के लिए अब भारत के प्रसिद्ध राम कथावाचक मोरारी बापू आगे आए हैं जी हां, मोरारी बापू ने युद्ध से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मदद को आगे आए हैं। मोरारी बापू ने युद्ध में प्रभावित लोगों की मदद के रूप में 1.25 करोड़ रुपए दान करने की पहल की है। बापू ने लोनावला में अपनी राम कथा के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने रचनात्मक योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। सरकार के प्रभावी बचाव अभियान की सराहना करते हुए मोरारी बापू ने कहा कि मिशन गंगा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे छात्रों को निकालने में बेहतरीन काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए मोरारी बापू के ट्रस्ट को 19 करोड़ की राशि मिली है, जिसमें से 9 करोड़ रुपये विदेशी भक्तों और परोपकारी लोगों द्वारा दान किए गए थे। हालांकि 9 करोड़ रुपये की यह राशि अभी तक भारत को नहीं भेजी गई है, क्योंकि विदेशी योगदान पर कुछ मंजूरी की प्रतीक्षा है। इस प्रकार, इस राशि से 1.25 करोड़ रुपए अब यूक्रेन युद्ध से प्रभावित लोगों की मदद के लिए उपयोग किए जाएंगे। यूक्रेन के युद्ध पीड़ितों को निकालने के लिए पोलैंड, स्लोवाकिया और रोमानिया में सक्रिय रूप से काम कर रहे विभिन्न संगठनों को उन्हें आश्रय और भोजन और चिकित्सा सुविधाएं आदि प्रदान करने के लिए 1.25 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

'दिल्ली की लेडी सिंघम हैं स्वाति मालीवाल, इनके साये में राजधानी की महिलाएं सुरक्षित

नेशनल डेस्क। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली महिला आयोग के कामकाज की तारीफ करते हुए कहा कि आयोग ने राजधानी में महिलाओं के बीच सुरक्षा की भावना को मजबूत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग समेत अन्य महिला आयोगों को दिल्ली महिला आयोग से सीखना चाहिए। केजरीवाल यहां दिल्ली महिला आयोग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर करीब 60 महिलाओं को सम्मानित किया गया जो महिलाओं के विषयों पर काम कर रही हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की महिलाएं जानती हैं कि अगर उन्हें किसी अन्याय या अप्रिय घटना का सामना करना पड़ा तो वे दिल्ली महिला आयोग की हेल्पलाइन 181 पर फोन कर सकती हैं और उन्हें मदद पहुंचाई जाएगी। उन्होंने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को 'दिल्ली की लेडी सिंघम करार दिया और कहा स्वाति मालीवाल को 'दिल्ली की लेडी सिंघम करार दिया और कहा कि सब महिलाएं जानती हैं कि वे फोन उठाकर 181 नंबर मिला सकती हैं और स्वाती मालीवाल उनकी सहायता के लिए पहुंचेंगी। मालीवाल ने इस मौके पर कहा कि पिछले छह साल में आयोग ने 1,23,000 मामलों को लिया है और उसकी हेल्पलाइन पर 15 लाख से अधिक फोन आए।

गोवा-मणिपुर जैसी गलती नहीं दोहराएगी कांग्रेस, नतीजों से पहले कसी कमर

नई दिल्ली ।

कांग्रेस पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के विधानसभा चुनावों में खंडित जनादेश आने की संभावित परिस्थिति में अपने नवनिर्वाचित विधायकों को एकजुट रखने के लिए तैयारी कर रही है और इसी क्रम में उसने इन प्रदेशों में अपने कुछ वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी है । सूत्रों के अनुसार, अजय माकन और पवन खेड़ा को पंजाब, दीपेंद्र सिंह हुड्डा को उत्तराखंड, मुकुल वासनिक, टीएस सिंह देव और विंसेट पाला को मणिपुर और डीके शिवकुमार को गोवा के लिए पर्यवेक्षक बनाया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी उत्तराखंड में विधायकों को एकजुट रखने में अपनी भूमिका निभाएंगे। इन राज्यों के प्रभारी और चुनाव पर्यवेक्षक भी अगले कुछ दिनों तक चारों प्रदेशों में मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इन चारों चुनावी राज्य में मौजूद रहने के दौरान ये वरिष्ठ नेता खंडित जनादेश आने की स्थिति में अपनी पार्टी को एकजुट रखने के साथ ही स्थानीय दलों अथवा विधायकों से बातचीत करेंगे ताकि सरकार गठन की संभावना मजबूत बनी रहे। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''पार्टी इस बार कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। हमारी कोशिश है कि किसी भी परिस्थिति के लिए हम तैयार रहें। उत्तराखंड के लिए पर्यवेक्षक बनाए राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा की मौजूदगी में आज देहरादून में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं ने बैठक की और नतीजों के बाद की स्थिति को लेकर चर्चा की। कांग्रेस सूत्रों ने यह भी बताया कि अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के प्रतिनिधियों को भी तैनात किया जा रहा है ।

जो खंडित जनादेश आने की स्थिति में निर्वाचित विधायकों को लेकर संबंधित प्रदेशों की राजधानी में पहुंचेंगे जिसके बाद उन्हें जरूरत पड़ने पर जयपुर या रायपुर भी ले जाया जा सकता है।

जब कोई सैनिक वर्दी में होता है, तो लिंग भेद समाप्त हो जाता है: महिला सैन्य अधिकारी

नेशनल डेस्क। थलसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल शिखा मेहरोत्रा ने चेन्नई स्थित 'अफसर प्रशिक्षण अकादमी में बतौर कैडेट, बिताए गए समय को याद करते हुए कहा कि अकादमी में कठोर प्रशिक्षण के साथ-साथ सौहार्द की भावना ने उन्हें जीवन का एक मूल्यवान पाठ पढ़ाया कि जब कोई सैनिक वर्दी में होता है, तो लिंग भेद समाप्त हो जाता है। मेहरोत्रा ने कहा, ''हम सभी महिला एवं पुरुष कैडेट सुबह उठते थे और कड़ा प्रशिक्षण लेते थे, अभ्यास करते थे। हम समान जोश के साथ और देश की सेवा करने के समान जज्बे के साथ प्रशिक्षण में भाग लेते थे। जब हम प्रशिक्षण में भाग लेते थे, तो हम महिला या पुरुष कैडेट के तौर पर नहीं, बल्कि केवल कैडेट के तौर पर मेहनत करते थे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिला अधिकारियों के एक समूह ने सोमवार को यहां साउथ ब्लॉक में आयोजित एक संवाद में भाग लिया। पिछले 15 साल से सेना में सेवारत लेफ्टिनेंट कर्नल अनिला खत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों की खासियत और खूबसूरती यह है कि ''सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है और इसमें शामिल होने वाले व्यक्ति का विकास उसकी योग्यता एवं मेहनत से तय होता है। उन्होंने कहा, ''महिला दिवस पर, लोग हमसे पूछ रहे हैं कि एक महिला अधिकारी होने के तौर पर कैसा महसूस होता है और हमारे सामने क्या चुनौतियां होती हैं, लेकिन एक सैनिक की पहचान उसके लिंग से नहीं होती। जब हम अपनी हरे रंग की वर्दी पहनते हैं, तो कोई महिला या पुरुष जवान नहीं रह जाता, हम केवल सैनिक होते हैं। सेना द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी के अनुसार दिल्ली की मूल निवासी खत्री ''स्काईडाइविंग में डेमो-जम्पर के रूप में अर्हता प्राप्त करने वाली भारतीय सेना की एकमात्र महिला अधिकारी हैं। खत्री ने कहा, ''महिलाओं को खुद को समान या पुरुषों से बेहतर साबित करने का बोझ उठाने की जरूरत नहीं है। उन्हें बस, अपने जुनून को जीना चाहिए और इसे साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। तीन साल पहले सेना में शामिल हुईं और सर्वश्रेष्ठ कैडेट होने के लिए 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित कैप्टन प्रीति चौधरी ने कहा कि ''सेना की वर्दी पहनना उनका ''बचपन का सपना था। पानीपत की मूल निवासी चौधरी ने कहा, ''मैं जब हर रोज वर्दी पहनती हूं और शीशा देखती हूं, तो मुझे गर्व होता है। सेना में हम सभी समान है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों में ''एक जवान या एक अधिकारी कभी केवल एक व्यक्ति नहीं होता और प्रशिक्षण के दिनों से ही हमें सिखाया जाता है कि हम एक टीम हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

दुःख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है। - भगवान श्री कृष्ण

संपादकीय

शांतिपूर्ण चुनाव

पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों में मतदान के आखिरी दौर का समापन किसी खुशखबरी से कम नहीं है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में सातवें चरण का मतदान संपन्न होने के बाद अब सबकी नजर चुनाव परिणामों पर होगी, लेकिन वस्तुत- जिस कुशलता के साथ इस विशाल राज्य में मतदान के दौर संपन्न हुए हैं, उसकी प्रशंसा करनी चाहिए। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों को अगर हम छोड़ दें, तो चुनाव कुल मिलाकर शांतिपूर्वक संपन्न हुए हैं। संघर्ष भले तीखा रहा हो, जुबानी हमले भी खूब हुए हैं, प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बड़ा रहा है, लेकिन हिंसा की कोई ऐसी घटना नहीं हुई है, जिसे भुलाया न जा सके। कुछ जगहों पर जो झड़पें हुई हैं, उन्हें स्थानीय ही मानकर चलना चाहिए। शांतिपूर्वक मतदान का एक बड़ा कारण यह भी है कि बड़ी सभाओं से इस चुनाव में कमोबेश बचा गया है। शुरू में कोरोना की वजह से भी लोगों का परस्पर टकराव कम हुआ है। शांतिपूर्वक और शालीनता के साथ चुनाव प्रचार हमने देखा है। केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को भी इस बार गलियों में पैदल वोट मांगते देखा गया है, तो इसका श्रेय महामारी को भी देना चाहिए। चुनाव आयोग अगर ढीला पड़ जाता, तो चुनाव में लोगों के बीच आक्रामकता को मौका मिलता। गौर करने की बात है कि हर पार्टी को इस चुनाव में आगे अवसर नजर आ रहा है, इसलिए भी पार्टियों के कार्यकर्ताओं का संयम नहीं टूटा है। सांप्रदायिकता की चर्चा भी कमोबेश अपनी हद में रही है। लोग अगर अपनी खुशी जताते हुए मतदान करते पाए गए हैं, तो असंतुष्ट लोग भी मतदान से पीछे नहीं रहे हैं। जनता का विश्वास चुनाव पर न केवल बढ़ा है, बल्कि वे बनने वाली सरकारों से बहुत उम्मीदें लगाए हुए हैं। लोग चुनाव के प्रति सजग हैं, लेकिन मतदान प्रतिशत आशा के अनुरूप नहीं है। हमें एक बार सोचना चाहिए कि गोवा जैसे राज्य में मतदान प्रतिशत 78.94 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, तो उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में मतदान 60 प्रतिशत के पार क्यों नहीं पहुंच सकता? इस बार उत्तराखंड में 65.4 प्रतिशत मतदान हुआ है, पर वहां भी मतदान क्रमशः घट रहा है। मतदान बढ़ाने के उपायों पर चुनाव आयोग को ज्यादा काम करना होगा। लोगों में भी जागरूकता की जरूरत है। लोग सरकारों को कोसते हैं, उनसे उम्मीद रखते हैं, लेकिन मतदान से क्यों बचते हैं? मतगणना से पहले नेताओं को पूरे संयम का परिचय देना चाहिए। एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं, जिन पर दो दिन खूब चर्चा होगी। हालांकि, बौद्धिक विलास के लिए ऐसे सर्वेक्षण ठीक हैं, लेकिन वास्तविक तस्वीर 10 मार्च को ही सामने आएगी। सत्ता के प्रत्याशी नेताओं को भी किसी भी तरह के बड़बोलेपन से बचना होगा। जीते कोई भी, उसे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है। इस चुनाव में कुछ जगह हमने देखा है कि आम लोगों ने कैसे प्रत्याशियों का अनादर किया है। ऐसे अनादर से हमारे नेताओं को बचना चाहिए, इसके लिए जरूरी है कि मतदाताओं की भावनाओं और उम्मीदों का आदर किया जाए। जब मतदान संपन्न हो गया है, तो नेताओं को अपने वादों के प्रति भी सचेत होना चाहिए। जनसेवा के लिए सत्ता जरूरी नहीं है, सत्ता के बिना भी लोगों के बीच रहकर अपने आधार को मजबूत किया जा सकता है। चुनाव लड़ने और चुनाव जीतने वाले नेताओं पर सबकी नजर है।

आज के कार्टून

भारतीय संस्कृति

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धांत में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितांत आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार, जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गई है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षतिपूर्ति करने को कहा गया है।

पूंजी का पलायन रोकने के हों प्रयास

भरत झुनझुनवाला

रिजर्व बैंक की कमेटी ने संस्तुति की है कि देश को पूंजी के मुक्त आवागमन की छूट देनी चाहिए। यानी विदेशी निवेशक भारत में स्वच्छंदता से आ सकें और भारतीय निवेशक अपनी पूंजी को स्वच्छंदता से भारत से बाहर ले जाकर निवेश कर सकें, ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए। कमेटी का कहना है इसके चार लाभ हैं। पहला यह कि देश में पूंजी की उपलब्धि बढ़ जाएगी। यह सही है कि विदेशी पूंजी का भारत में आना सरल हो जाएगा। जो विदेशी निवेशक भारत में निवेश करेंगे उनके लिए समय क्रम में अपनी पूंजी को निकाल कर अपने देश वापस ले जाना आसान हो जाएगा। लेकिन यह दोधारी तलवार है। यदि विदेशी निवेशकों के लिए भारत में पूंजी लाना आसान हो जाएगा तो उसी प्रकार भारतीयों के लिए भी अपनी पूंजी को बाहर ले जाना आसान हो जाएगा। रिजर्व बैंक के ही आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन वर्षों में हमारा पूंजी खाता ऋणात्मक रहा है यानी जितनी विदेशी पूंजी अपने देश में आई है उससे ज्यादा पूंजी अपने देश से बाहर गई है। इससे प्रमाणित होता है कि पूंजी का मुक्त आवागमन विपरीत दिशा में ज्यादा चल रहा है। जैसे दो टंकियों के बीच में एक वॉल लगा हो तो पानी उस तरफ ज्यादा जाएगा जहां पानी का स्तर कम होगा। इसी प्रकार विदेशी और भारतीय पूंजी के बीच में वॉल को खोल दें तो किस तरफ पूंजी का बहाव होगा यह इस पर निर्भर करेगा कि पूंजी का आकर्षण किस तरफ अधिक है। कमेटी का दूसरा कथन है कि पूंजी के मुक्त आवागमन से अपने देश में पूंजी की लागत कम हो जाएगी और ब्याज दर कम हो जाएगी। लेकिन रिजर्व बैंक के ही आंकड़े इसी के विपरीत खड़े हैं जो कि बता रहे हैं हमारा पूंजी खाता ऋणात्मक है यानी पूंजी बाहर जा रही है और जिसके कारण अपने देश में पूंजी का मूल्य बढ़ रहा है, घट नहीं रहा है। कमेटी ने तीसरा तर्क दिया है कि पूंजी के मुक्त आवागमन से भारतीय कंपनियों द्वारा लिए जाने वाले लोन का विविधीकरण हो जाएगा। जैसे किसी कंपनी को यदि फैक्टरी लगानी हो तो कुछ पूंजी वह भारतीय बैंक से लेंगे, कुछ विदेशी बैंक से लेंगे, कुछ विदेशी निवेशकों से लेंगे। इस प्रकार उनके ऊपर जो लोन का भार है वह किसी एक स्रोत पर निर्भर होने के स्थान पर विविध स्रोतों पर बंट जाएगा और ज्यादा टिकाऊ होगा। यह बात सही है। कई कंपनियों ने हाल ही में विदेशी पूंजी का लोन लिया भी है। लेकिन जितना इन्होंने लिया है उससे ज्यादा बाहर भी गया है इसलिए यह विविधीकरण कंपनियों के लिए लाभप्रद रहा हो सकता है लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ हो, ऐसा नहीं दिखता है। कमेटी के अनुसार चौथा लाभ भारतीय निवेशकों के लिए निवेश का विविधीकरण है। भारतीय निवेशक विदेशी प्रॉपर्टी एवं शेयर बाजार के साथ-साथ भारतीय प्रॉपर्टी एवं शेयर बाजार में निवेश कर सकेंगे। लेकिन पुनः यह लाभ निवेशक विशेष को होगा। यह देश का लाभ नहीं है क्योंकि जब भारतीय निवेशक अपनी पूंजी को विदेशों में निवेश करते हैं तो भारत की पूंजी बाहर जाती है और भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर होती है। इन इस दृष्टि से कमेटी के दिए गए तर्क मान्य नहीं हैं। विशेष बात यह है कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि आपदा के समय विकासशील देशों को पूंजी के मुक्त आवागमन पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कोरिया और पेरू द्वारा कोविड संकट के दौरान ऐसे प्रतिबंध लगाने का स्वागत किया है। हमें भी इस दिशा पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में हमारे सामने एक और संकट है कि अभी तक अमेरिकी फेडरल रिजर्व बोर्ड ने ब्याज दर शून्य के लगभग कर रखी थी। निवेशकों के लिए लाभप्रद था कि अमेरिका में लोन लेते और भारत में निवेश करते। लेकिन अब फेडरल रिजर्व बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि वे शीघ्र ही ब्याज दरों में वृद्धि करेंगे। यदि ऐसा होता है तो निवेशकों के लिए अपनी पूंजी को भारत से निकालकर अमेरिका ले जाना ज्यादा लाभप्रद हो जाएगा क्योंकि अमेरिका में निवेश को ज्यादा स्थाई और टिकाऊ माना जाता है। इसलिए हमको विचार करना चाहिए कि आखिर हमारी देश से पूंजी का पलायन हो क्यों रहा है। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टिट्यूशन में छपे एक पर्चे के अनुसार, भारत से पूंजी के पलायन के चार कारण हैं। पहला कारण भ्रष्टाचार का है। यह सही है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के स्तर पर भ्रष्टाचार में भारी कमी आई है लेकिन यह भी सही है कि जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार में उससे ज्यादा वृद्धि हुई है। इसलिए सरकार को नीचे से भ्रष्टाचार को दूर करने के कदम उठाने चाहिए। दूसरा यह कि सरकारी ऋण ज्यादा होने से निवेशकों को भय होता है कि ऋण की भरपाई करने के लिए आने वाले समय में रिजर्व बैंक नोटों को ज्यादा मात्रा में छापेगा, जिससे देश में महंगाई बढ़ेगी और भारतीय रुपये का अवमूल्यन होगा। तब उनकी पूंजी का मूल्य स्वतः घट जाएगा। इसलिए सरकारी ऋण की अधिकता से पूंजी का पलायन होता है। वर्तमान में कोविड संकट के कारण ही क्यों न हो फिर भी यह तो सत्य है ही कि अपनी सरकार द्वारा लिए गए ऋण में भारी वृद्धि हुई है। इस परिस्थिति में भारत सरकार को ऋण कम लेना चाहिए। लेकिन इससे निवेश में कमी नहीं होनी चाहिए अन्यथा पुनः आर्थिक विकास की गति में ठहराव आएगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि अपनी खपत को कम करे, जिससे कि सरकार को लोन कम लेने पड़ें और पूंजी का पलायन न हो। तीसरा कारण बताया गया है कि मुक्त व्यापार को अपनाने से भी पूंजी का पलायन होता है। इसका कारण यह दिखता है कि जब हम मुक्त व्यापार को अपनाते हैं तो उद्यमियों के लिए आसान हो जाता है कि अपनी पूंजी को उस देश में ले जाएं जहां पर उत्पादन करना सुलभ हो। जैसे भारतीय उद्यमी के लिए यह सुलभ हो जाएगा कि वह अपनी फैक्टरी को बांग्लादेश में लगाए और बांग्लादेश में माल का उत्पादन करके भारत को निर्यात कर दे। ऐसे में मुक्त व्यापार के कारण पूंजी का पलायन बढ़ता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि रिजर्व बैंक की कमेटी की रिपोर्ट को अमान्य करते हुए भ्रष्टाचार पर रोक लगाए, सरकारी खपत को घटाए और मुक्त व्यापार को अपनाने के स्थान पर आयात कर बढ़ाये। तब ही अपने देश से पूंजी का पलायन कम होगा और देश की आर्थिक विकास दर बढ़ेगी।

यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के भविष्य की चुनौती

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इस बात पर संतोष व्यक्त किया जाना चाहिए कि यूक्रेन से भारत के 17 हजार छात्रों को सुरक्षित लाया जा चुका है। युद्धरत यूक्रेन में फंसे शेष भारतीयों को भी लाने के प्रयास जारी हैं। जैसे हालात दिख रहे हैं उसमें रुस-यूक्रेन युद्ध का हल अभी नहीं दिख रहा है। यूक्रेन में चारों ओर तबाही का मंजर है। हालांकि यूक्रेन द्वारा भी रूसी सेना को काफी नुकसान पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं पर इसमें दो राय नहीं कि नुकसान यूक्रेन का ही अधिक हो रहा है। यूक्रेन को जो बाहरी सहायता मिलनी थी वो किसी देश से अभी प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिल रही हैं वहीं रूस पूरी तरह से आक्रामक मूड में लगता है। दरअसल पुतिन के हौसले इस समय बुलंद हैं। पुतिन की धमकियों के आगे नाटो को भी बैकफुट पर आना पड़ रहा है। कहा जाए तो अभीतक तो पुतिन का ही पलड़ा भारी है। यूक्रेन से जान बचाकर लौटे भारतीय छात्रों को अब अपनी मेडिकल शिक्षा पूरी करने की चिंता सताने लगी है तो सरकार भी सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर रही है। यूक्रेन पढ़ने गए छात्रों और उनके परिजनों का सपना बच्चों को डॉक्टर बनाने का रहा है और उसे साकार करने की जिम्मेदारी भी सरकार पर आ गई है। सरकार ने यूक्रेन से लौटे छात्रों से इंटर्नशिप फीस नहीं लेने का निर्णय किया है। यह सरकार की सकारात्मक सोच का परिणाम माना जा सकता है। भारत से यूक्रेन, रूस व चीन में अधिकांश छात्र मेडिकल की शिक्षा लेने जाते हैं। खासतौर से यूक्रेन को अधिक वरियता दी जाती है। इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि यूक्रेन में पढ़ाई करने वाले करीब 18 हजार छात्रों में से अधिकांश छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने वाले ही है। सरकार ने मिशन गंगा के तहत युद्ध के कारण बेहद बुरे हालात में जिस तरह भारतीय छात्रों व भारतवासियों की सुरक्षित वापसी की मुहिम शुरू की, इसे हमारी कूटनीतिक जीत मानी जा सकती है। पर अब छात्रों को भविष्य को लेकर भी चिंता होना स्वाभाविक है। केन्द्र सरकार जहां संभावित सभी विकल्पों पर विचार कर समाधान खोजने में लगी है, वहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यूक्रेन से लौटे छात्रों के भविष्य को लेकर चिंतित होते हुए देश के मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री गहलोत ने एमसीआई के नियमों में बदलाव और सरकारी और निजी क्षेत्र में अधिक से अधिक मेडिकल कॉलेज खोलने का सुझाव दिया है। यूक्रेन की समस्या के बहाने देश में मेडिकल शिक्षा के हालात पर नए सिरे से चिंतन की आवश्यकता है। देश में वर्तमान में एक हजार लोगों पर एक डॉक्टर है जबकि इसका वैश्विक औसत एक हजार पर चार डॉक्टर होना चाहिए। यानि मोटे तौर पर देश में वैश्विक औसत की तुलना में एक चौथाई चिकित्सक ही हैं। इसका साफ मतलब है कि देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या और सीटें बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद उपलब्ध डॉक्टरों में से भी अधिकांश डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में जाने को तैयार नहीं होते। इससे ग्रामीण चिकित्सा व्यवस्था प्रभावित है। हालांकि पिछले कुछ सालों से योजनाबद्ध तरीके से सरकारी व गैरसरकारी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। गुणवत्ता को लेकर अभी से चर्चा होने लगी है। जहां तक यूक्रेन में मेडिकल शिक्षा के लिए भारतीयों के जाने के प्रमुख कारकों में बिना नीट जैसी प्रवेश परीक्षा के आसानी से वहां एडमिशन हो जाता है। इसलिए जो विद्यार्थी नीट जैसी प्रवेश परीक्षा में पास नहीं हो पाते हैं या झंझट में नहीं पड़ना चाहते वे आसानी से यूक्रेन में एडमिशन ले लेते हैं। जहां तक मेडिकल शिक्षा पर होने वाले फीस आदि के खर्च की बात है तो वह भी भारत से आधी से भी कम है। माना जाता है कि देश में जहां सालाना 10 से 12 लाख का खर्च आता है तो यूक्रेन में चार से पांच लाख में ही काम चल जाता है। इसके साथ ही यूक्रेन में माना जाता है कि आधारभूत संरचना भी स्तरीय है इसलिए दुनिया के देशों में वहां की एमबीबीएस डिग्री की मान्यता है। प्रैक्टिकल की बेहतर व्यवस्था बताई जाती है। इसके साथ ही देश में एमबीबीएस की सीटें कम होने के कारण डॉक्टर बनने की चाहत रखने वाले यूक्रेन आदि विदेशों का रुख कर लेते हैं। पिछले तीन साल तो इस मायने में निराशाजनक माने जा सकते हैं कि अभी कोरोना महामारी से उबर भी नहीं पाए हैं कि यूक्रेन-रूस की लड़ाई का नया संकट आ गया है। तात्कालिक समस्या तो यूक्रेन से वापस आए मेडिकल छात्रों के भविष्य को लेकर है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई मुख्यमंत्री इसपर चिंता जता चुके हैं। केन्द्र सरकार गंभीर है और संभावित विकल्पों खासतौर से सरकारी और निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों की सीटों के अलावा इन छात्रों के लिए सीटों की व्यवस्था करने पर विचार कर रही है। इंटर्नशिप से वंचित छात्रों को इंटर्नशिप फीस नहीं लेकर इंटर्नशिप कराने की पहल हो चुकी है। सरकार ने देश में ही फीस स्ट्रक्चर में सुधार और सीटें बढ़ाने के विकल्पों पर सुझाव के लिए संबंधित संस्थाओं खासतौर से स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और नीति आयोग को ठोस सुझाव देने को कहा है। सरकार युद्ध के हालात पर नजर टिकाये है और जल्दी ही युद्ध समाप्त हो और हालात सुधरे तो सरकार व विद्यार्थी राहत की सांस ले सकते हैं। पर बेहतर विकल्प इन छात्रों का भविष्य देश में ही खोजना होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -2064

				6		5	9	2
					3			
2			5		9		6	1
	2			1			7	8
6	7			9			2	
7	8		9		2			3
			4					
1	3	5		8				

सू-दोकू -2063 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2064

बायें से दायें:-

1. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-3
5. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-2
7. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू द्दीनशाह, शबाना की फिल्म-3
9. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-2
11. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-2
13. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-4
15. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-3
16. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-3
19. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-2
21. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-4
23. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-2
24. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-3
25. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-2
26. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-3,3
29. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2
30. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-2

ऊपर से नीचे:-

1. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-2
2. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-2
3. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-2
4. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-3
6. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-2
8. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-3
10. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-2
11. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-3
12. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
13. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-4
14. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
16. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-3
17. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-3
20. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-2
21. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-3
22. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-3
23. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-4
24. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-3
27. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-2
28. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2063

ख्वा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		झे		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	र्या			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्टिगा फिर बनी सेगमेंट की नंबर 1 कार

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी अर्टिगा का भारत के मल्टिपर्पज वीकल सेगमेंट में दबदबा कायम रहा और इस महीने भी यह इंडिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली एमपीवी रही। अर्टिगा की कुल 11,649 यूनिट्स फरवरी 2022 में से हुई। जो कि फरवरी 2021 से 19 फीसदी ज्यादा सेल है। फरवरी 2021 में इस कार 10,974 यूनिट्स सेल हुई थी। इन आंकड़ों के आधार पर अर्टिगा ने 19.8 फीसदी की इयर ऑन इयर ग्रोथ दर्ज की। ओवर ऑल कार सेल्स के मामले पर यह कार छठे नंबर पर रही। टॉप 10 कारों में मारुति का जलवा कायम रहा। सबसे ज्यादा बिकने वाली 10 कारों में 7 कारें मारुति सुजुकी की रहीं। इसमें स्विफ्ट, डिजायर, बलेनो और वैगन आर जैसी कारें भारत में शामिल रहीं। बीते काफी वक्त से इस कार के फेसलिफ्ट मॉडल की चर्चा हो रही है हालांकि अभी इस मॉडल की लॉन्च डेट से कंपनी ने पर्दा नहीं उठाया है। कुछ वक्त पहले अर्टिगा फेसलिफ्ट के स्पाई शॉट्स सामने आए थे जिसके कार के नए मॉडल के बारे में काफी अहम जानकारी सामने आई थी। बता दें किअर्टिगा भारत में एमपीवी सेगमेंट की सबसे सफल कारों में से एक है। लॉन्च के बाद से ही यह कार बायर्स की फेवरेट एमपीवी रही है और इसके लॉन्च के बाद कोई भी दूसरी एमपीवी इसके सामने टिक नहीं सकी। ऑटोमोबाइल कंपनियों ने हाल ही में अपनी फरवरी सेल के आंकड़े पेश किए हैं। जिसमें मारुति सुजुकी स्विफ्ट देश की नंबर 1 कार रही और 19 हजार से ज्यादा यूनिट्स फरवरी 2022 बिकीं।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को झटका, आईजीएल ने किया कीमतों में इजाफा

नई दिल्ली ।

दिल्ली और एनसीआर नागरिकों को मंगलवार सुबह से महंगाई का एक और झटका लगा है। पेट्रोल और डीजल के बाद अब सीएनजी वाहनों से चलना से मंगलवार से थोड़ा और महंगा हो गया है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है और ये बढ़ी दरें मंगलवार सुबह से लागू भी हो गई हैं। आईजीएल के मुताबिक, देश की राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत में 50 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली, रेवाड़ी और गुरुग्राम में सीएनजी के दाम में प्रति किलोग्राम 50 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी का दाम 57.01 से बढ़कर 57.51 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। गुरुग्राम में 65.38 रुपये की जगह 65.88 रुपये प्रति किलोग्राम, रेवाड़ी में 67.48 रुपये की जगह 67.98 रुपये प्रति किलोग्राम चुकाने होंगे। इसी तरह नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

इन शहरों में 58.58 रुपये की जगह 59.58 रुपये प्रति किलोग्राम चुकाने होंगे। ताजा जानकारी के मुताबिक, इस बढ़ोतरी के चलते मंगलवार सुबह 6 बजे से नई कीमतें लागू हो गई हैं। जानकारों की मानें तो रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय के बाद घरेलू बाजार में भी ईंधन की कीमतों में इजाफा होना तय लग रहा है और अब इसका असर भी दिखाई देना शुरू हो गया है। गौरतलब है कि रविवार से दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में मदर डेयर के दूध महंगे हो गए हैं। मदर डेयरी का टोकन दूध 44 रुपये की जगह अब 46 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है।

रूस ने दी चेतावनी, कहा- 200 रुपए लीटर की सीमा लांघ जाएगा पेट्रोल-डीजल!

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन जंग के असर के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड आयल) की कीमत 2008 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है और यह 300 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। रूस ने पश्चिमी देशों को धमकी दी है कि अगर पश्चिमी देशों ने रूस ने एनर्जी सप्लाई में कटौती की तो कच्चे तेल की कीमत 300 डॉलर के पार पहुंच सकती है। साथ ही यूरोप को गैस सप्लाई करने वाली रूस-जर्मनी गैस पाइपलाइन को बंद कर दिया जाएगा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका और यूरोपीय देश रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। इससे बाद कच्चे तेल की कीमत 2008 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। खबरों के मुताबिक रूस के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर अलेक्सांद्र नोवाक ने कहा कि अगर अमेरिका और सहयोगी देशों ने ऐसा किया तो इसके ग्लोबल मार्केट में भयानक परिणाम होंगे। इससे कच्चे तेल की कीमत 300 बैरल प्रति बैरल पहुंच सकती है। नोवाक ने कहा कि रूस के मिलने वाले तेल को रिप्लेस करने के लिए यूरोप को एक साल से अधिक समय लगेगा और उसे इसके लिए बहुत ज्यादा कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि यूरोप के नेताओं को ईमानदारी से अपने लोगों को बताना चाहिए कि इसका उनके लोगों और उपभोक्ताओं पर क्या असर होगा। उन्होंने कहा, अगर आप रूस से तेल की सप्लाई बंद करना चाहते हैं तो शौक से कीजिए। हम इसके लिए तैयार हैं। हम जानते हैं कि हमें अपने तेल को कहां बेच सकते हैं। रूस यूरोप को 40 फीसदी गैस की सप्लाई करता है। रूसी डिप्टी प्राइम मिनिस्टर ने साथ ही कहा कि उनका देश यूरोप से किए गए वादे को निभा रहा है। लेकिन हमें अपने देश के हित में कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। जर्मनी ने पिछले महीने नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन को सर्टिफिकेट देने से मना कर दिया था।

पोर्क के बाद अब अमेरिका ने भारत से चेरी, अल्फाल्फा के लिए बाजार खोलने की मांग की

वाशिंगटन।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि बाइडन प्रशासन चाहता है कि भारत पोर्क (सूअर का मांस) के बाद अब चेरी और अल्फाल्फा के लिए अपना बाजार खोले। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने पोर्क के आयात का मसला गत वर्ष नवंबर में आयोजित अमेरिका-भारत व्यापार नीति मंच की बैठक में उठाया था और इस साल जनवरी में जारी एक बयान में बताया गया कि भारत सरकार अमेरिकी पोर्क एवं उसके उत्पादों के आयात को मंजूरी देने के लिए तैयार हो गई है। यूएसटीआर ने कहा, ''2022 में यूएसटीआर

चेरी और अल्फाल्फा घास के लिए बाजार पहुंच को अंतिम रूप देने पर भारत के साथ बातचीत जारी रखेगा।'' अल्फाल्फा घास के लिए बाजार पहुंच को अंतिम रूप देने पर भारत के साथ बातचीत जारी रखेगा।'' अल्फाल्फा मटर परिवार का फूल देने वाला एक पौधा है। यूएसटीआर की रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी संकट से निपटने के भारत और अमेरिका सहयोग करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ''अमेरिका और भारत लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने तथा बाजार अर्थव्यवस्थाओं और लोकतंत्रों के लिए एक पारदर्शी, नियम आधारित व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने पर भी सहयोग करेंगे।''

संक्षिप्त समाचार

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ना तय

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल तक के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गयी है। ऐसे में देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ना तय माना जा रहा है। रुस के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही हालात बिगड़े हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देश रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। इससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है और यह 130 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था जो जुलाई 2008 के बाद से इसका उच्चतम स्तर है। इससे देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में आने वाले दिनों में बढ़ोतरी हो सकती है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में आखिरी बार चार नवंबर को बदलाव हुआ था। तब कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गई थी। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए पेट्रोल-डीजल की कीमत में चार महीने से कोई बदलाव नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में आखिरी चरण का मतदान सोमवार को संपन्न हो चुका है। माना जा रहा है कि अब पेट्रोल और गैस की कीमत में तेजी आ सकती है।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोना वायदा मंगलवार सुबह हल्की गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। एमसीएक्स पर अप्रैल 2022 की डिलीवरी वाला सोना मंगलवार सुबह 108 रुपये की गिरावट के साथ ही 53,409 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखाई दिया। सोने के साथ ही चांदी की वायदा कीमतों में भी मंगलवार सुबह हल्की गिरावट देखने में आई। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में 5 मई 2022 की डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 63 रुपये की हल्की गिरावट के साथ ही 69,906 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी।

न्यूजीलैंड रूस पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने के लिए लाएगा नया कानून : जैसिंडा अर्डर्न

वेलिंग्टन । न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार जल्द एक नया कानून लाने की योजना बना रही है, जो देश को यूक्रेन पर आक्रमण करने वाले रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की अनुमति देगा। न्यूजीलैंड के मौजूदा कानून उसे सार्थक प्रतिबंध लागू करने की अनुमति नहीं देते हैं, जब तक कि वे संयुक्त राष्ट्र के व्यापक प्रयास का हिस्सा न हों। वहीं, संयुक्त राष्ट्र के व्यापक प्रयास अभी तक साकार नहीं हो पा रहे हैं, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस के पास 'वीटो' शक्ति है। इस कारण न्यूजीलैंड अभी तक रूस के खिलाफ सीमित कार्रवाई ही कर पाया है। अर्डर्न ने कहा नया कानून उसे रूस में आक्रमण से जुड़े लोगों, कम्पनियों और सम्पत्तियों को लक्षित करने की अनुमति देगा, जिसमें कुलीन वर्ग भी शामिल हैं। यह न्यूजीलैंड को सम्पत्तियों को फ्रीज करने और बड़ी नौकाओं या विमानों को आने से रोकने की अनुमति देगा। अर्डर्न ने कहा इस संबंध में एक विधेयक हमारी संसद में कभी नहीं लाया गया, लेकिन यह अब आवश्यक हो गया है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से प्रतिबंधों के खिलाफ रूस के 'वीटो' शक्ति का इस्तेमाल करने की पूरी संभावना है। उन्होंने कहा विधेयक विशेष रूप से केवल यूक्रेन पर आक्रमण के संबंध में होगा, लेकिन न्यूजीलैंड को रूस की मदद करने वाले बेलारूस जैसे देशों पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति दे सकता है। देश की विदेश मंत्री नानाया महुता ने कहा इस विधेयक से एक स्पष्ट संदेश दिया जाएगा कि न्यूजीलैंड उन लोगों के लिए एक सुरक्षित आश्रय नहीं है, जो अब यहां निवेश करने की सोच रहे हैं। सांसद रूस प्रतिबंध विधेयक पर बुधवार को चर्चा करेंगे और उसी दिन इसके पारित होने की उम्मीद है। अर्डर्न ने कहा कि उम्मीद है कि इसे सभी दलों के सांसदों का समर्थन मिलेगा, हालांकि इसके सर्वसम्मति से पारित होने की कोई गारंटी नहीं है। न्यूजीलैंड ने पहले ही रूस के सैन्य और सुरक्षा बलों के लिए निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने सोमवार को सार्वजनिक की गई सूची में 100 से अधिक लोगों के न्यूजीलैंड की यात्रा करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। इस सूची में शीर्ष पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का नाम है।

इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट का आईपीओ से 600 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

मुंबई । इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा किए हैं। एकीकृत प्रदर्शनी और सम्मेलन स्थल उपलब्ध कराने वाली कंपनी का आईपीओ से 600 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ के तहत कंपनी 450 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा कंपनी के मौजूदा शेयरधारक 1,12,10,659 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। बाजार सूत्रों का कहना है कि ग्रेटर नोएडा में स्थित यह कंपनी आईपीओ से 600 करोड़ रुपये तक जुटा सकती है। कंपनी 75 करोड़ रुपये के शेयरों के निजी नियोजन पर भी विचार कर सकती है। ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार घट जाएगा। नए शेयरों से जुटने वाली 450 करोड़ रुपये की राशि में से 316.91 करोड़ रुपये कंपनी विस्तार के लिए पूंजीगत खर्च पर लगाएगी। 17 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल कर्ज जुटाने और अन्य सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण गेंहू हुआ मंहगा, पार्ले-जी बिस्कुट के बढ़ सकते हैं दाम

मुंबई ।

पार्ले-जी बिस्कुट को कौन नहीं जानता। जब कभी बात सस्ते बिस्कुट की आती है,तब पार्ले जी का जिक्र जरूर होता है। लेकिन जल्द ही ये बिस्कुट महंगा हो सकता है। पार्ले प्रोडक्ट्स के मयंक शाह ने कहा है कि अगर कमोडिटीज की कीमतें और बढ़ती हैं,तब इससे बिस्कुट की कीमतें बढ़ना तय है। पार्ले-जी बिस्कुट महंगा होने की बड़ी वजह है, रूस-यूक्रेन युद्ध हैं, इसकारण गेहूं महंगा हो गया है। पिछले करीब हफ्ते भर में गेहूं की कीमतों में 40 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। कीमतें बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है रूस-यूक्रेन युद्ध है। दरअसल, यूक्रेन और रूस का गेहूं निर्यात में अहम योगदान है। ये दोनों देश गेहूं के कुल निर्यात का 30 फीसदी निर्यात करते हैं। युद्ध के चलते वहां से निर्यात नहीं हो पा रहा है, उससे गेहूं आयात करने वाले तमाम देश भारत का रुख कर रहे हैं। इसकारण पिछले दिनों में भारत का गेहूं निर्यात काफी अधिक बढ़ा है। अगर ये निर्यात इसी तरह जारी रहा, तब गेहूं और महंगा होगा। केंद्र सरकार के फूड सेक्रेटरी सुधांशु पांडेय ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के कारण वैश्विक कीमतों में उछाल के बाद भारत से गेहूं के निर्यात में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि देश से होने वाला कुल गेहूं निर्यात चालू वित्त वर्ष में अब तक 66 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर को छू चुका है। यह आंकड़ा बीते फरवरी के अंत में ही छुआ जा चुका है। वैश्विक बाजार में गेहूं की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं और 24,000-25,000 रुपये प्रति टन के दायरे में चल रही हैं।पांडेय ने बताया कि अब तक गेहूं का निर्यात वित्त वर्ष 2012-13 में हासिल किए गए 65 लाख टन के ऐतिहासिक उच्च स्तर को पार कर चुका है। उन्होंने बताया अभी भी एक महीना बाकी है, आप इस साल लगभग 70 लाख टन से अधिक निर्यात की उम्मीद कर सकते हैं।÷ पार्ले-जी बिस्कुट सिर्फ गेहूं महंगा होने की वजह से महंगा नहीं हो रहा है, बल्कि बाकी चीजें के दाम भी अहम रोल अदा कर रहे

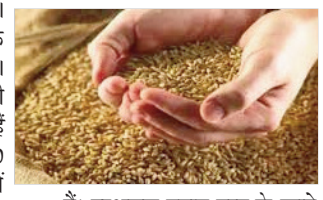

हैं। दरअसल तमाम तरह के खाने के तेल भी महंगे हो रहे हैं। साथ ही बाकी कमोडिटीज के दाम भी बढ़े हैं। कच्चा तेल भी लगातार महंगा हो रहा है, जो पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में अहम भूमिका निभाता है। चीनी के दाम भी महंगे हुए हैं, जिसका बिस्कुट के दाम पर असर पड़ रहा है। यानी देखा जाए,तब बिस्कुट के बिजनस से जुड़े सभी रॉ मटीरियल महंगे हुए हैं, जिससे बिस्कुट महंगा हो सकता है।

'डिजिटल रुपया' लाने का फैसला रिजर्व बैंक की सलाह से सोच-समझकर लिया गया: सीतारमण

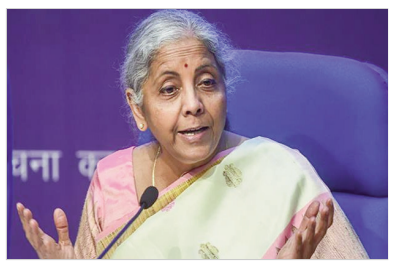

बेंगलुरु।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि केंद्रीय बैंक द्वारा संचालित डिजिटल मुद्रा के स्पष्ट लाभ हैं और 'डिजिटल रुपया' लाने का फैसला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सलाह से सोच-समझकर लिया गया है। सीतारमण ने मंगलवार को यहां इंडिया ग्लोबल फोरम के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए डिजिटल रुपए पर एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह केंद्रीय बैंक-भारतीय रिजर्व बैंक की सलाह से सोच-समझकर किया गया फैसला है हम चाहते हैं कि वे इसे जिस तरह से लाना चाहें, उस तरह डिजाइन करें लेकिन हम केंद्रीय बैंक से इस साल मुद्रा लाने की उम्मीद करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि केंद्रीय बैंक द्वारा संचालित डिजिटल मुद्रा के स्पष्ट लाभ हैं, क्योंकि आज के दौर में देशों के बीच होने वाले थोक भुगतान, संस्थानों के बीच बड़े लेनदेन और प्रत्येक देश के केंद्रीय बैंकों के बीच बड़े लेनदेन, ये सभी डिजिटल मुद्रा के जरिए बेहतर ढंग से हो सकते हैं।'' क्रिप्टो क्षेत्र को विनियमित करने के बारे में पूछे जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि हितधारकों से परामर्श के बाद सरकार इस बारे में फैसला करेगी। उन्होंने कहा, ''परामर्श जारी है इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति का सुझाव देने के लिए स्वागत है। परामर्श की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंत्रालय इसपर विचार करेगा। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम किसी कानूनी अनिवार्यता से परे नहीं जा रहे हैं, उसके बाद हम इसपर अपना रुख सामने लाएंगे।'' यह पूछने पर कि क्या वह भारत में क्रिप्टो के लिए भविष्य देखती हैं, उन्होंने कहा, ''कई भारतीयों ने इसमें अत्यधिक संभावनाएं देखी हैं और इसलिए मुझे इसमें राजस्व की गुंजाइश दिखाई देती है।'' हाल में पेश किए गए आम बजट के बारे में सीतारमण ने कहा कि बजट में अधिक डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के संबंध में है। अमृत काल' का उल्लेख अधिक से अधिक डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के संबंध में है। उन्होंने कहा कि इस बजट में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों (डीबीयू) की घोषणा की गई है। सीतारमण ने कहा कि भारत को इनकी जरूरत है, क्योंकि आजादी के 75 वर्षों में एक राष्ट्रीयकृत बैंकिंग नेटवर्क के बावजूद बैंकिंग और वित्तीय समावेशन पूरा नहीं हो सका।

ह्यूंदै आई20 के दो नए मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली । ह्यूंदै कंपनी ने पॉप्युलर आई 20 हैचबैक के लिए दो नए वेरियंट लॉन्च किए हैं। कंपनी की ओर से 1.2 एल अस्टा (ओ) सीवीटी और 1.0 स्पोटर्ज्डीसीटी वेरियंट्स की कीमत की घोषणा भी कर दी गई है। ह्यूंदै ने नई आई20 के लिए फीचर लिस्ट भी अपडेट की है। स्पोटर्ज् वेरियंट के साथ अब डीसीटी के साथ भी आता है। इससे पहले ह्यूंदै आई20 अस्टा (ओ) सिर्फ मैन्युअल अवतार में ही आता था। अब यह टॉप स्पेक मॉडल ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ भी आता है। नया स्पोटर्ज्डीसीटी वेरियंट 1.0 अस्टा डीसीटी से 1.05 लाख रुपये सस्ता है। बात करें इन वेरियंट्स की कीमत की तो 1.2एल अस्टा (ओ) सीवीटी वेरियंट की कीमत 10.51लाख रुपये (एक्स-शोरूम) और 1.0 स्पोटर्ज्डीसीटी वेरियंट की कीमत 9.76 लाख रुपये है। कंपनी 1.2 सीवीटी अस्टा और 1.0 डीसीटी अस्टा वेरियंट्स बंद करने की तैयारी कर रही है। हालांकि कंपनी की ऑफिशल वेबसाइट पर अभी ये वेरियंट्स सेल के लिए उपलब्ध हैं। जो स्टॉक खत्म होने तक शायद उपलब्ध रहेंगे। ह्यूंदै आई20 की सीधी टक्कर भारतीय बाजार में बलेनो से है जिसका फेसलिफ्ट मॉडल हाल ही में कंपनी ने लॉन्च किया है। शायद इसीलिए ह्यूंदै ने इस कार के दो नए वेरियंट्स बाजार में उतारे हैं। इनमें 6 एयरबैग्स (ड्राइवर, को-ड्राइवर, साइड और कर्टेन), इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम के साथ हिल होल्ड असिस्ट, एबीएस के साथ ईबीडी, हाई स्पीड अलर्ट सिस्टम, ड्राइवर और को-ड्राइवर सीट बेल्ट रिमाइंडर, एलईडी फॉग लैंप्स दिए गए हैं। इसके अलावा इसमें हाई टेंनसाइल और अल्ट्रा हाई टेंनसाइल स्टील का इस्तेमाल किया गया है। मारुति सुजुकी ने अपनी सबसे लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक के नए मॉडल को बिल्कुल नए डिजाइन लैंग्वेज क्राफटेड फयूचरीज्म पर बनाया है।

निवेशकों के लिए इस महीने आ रहे 1.10 लाख करोड़ से ज्यादा के आईपीओ

नई दिल्ली ।

इस साल की शुरुआत से ही बाजार पर दबाव बना हुआ है। अभी तक बाजार में 10 फीसदी तक की गिरावट आ चुकी है। आईपीओ मार्केट पर भी इसका असर पड़ा है। पिछले साल रिकॉर्ड संख्या में आईपीओ आने के बाद इस साल इनकी रफ्तार अब तक थोड़ी सुस्त रही है। नए साल के 2 महीने गुजर चुके हैं और अभी तक कुछ ही आईपीओ मार्केट में आए हैं। हालांकि ऐसा लग रहा है कि मार्च में यह ट्रेंड बदल सकता है। मार्च महीने में एक के बाद एक 15 आईपीओ कतार में हैं और ये मिलकर 1.10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाने का प्रयास करने वाले हैं। शेयर मार्केट पिछले 1 महीने में 8 फीसदी से ज्यादा टूटा है। घरेलू शेयर बाजार अभी करीब 8 महीने के निचले स्तर पर है और पिछले साल अगस्त के बाद पहली बार निफ्टी (एनएसई) 16 हजार अंक से नीचे उतरा है। इस तरह देखें तो यह आईपीओ के लिहाज से ठीक माहौल नहीं है। इस साल अभी तक आए आईपीओ में एक अडानी विल्मर का ही परफॉर्मेंस कुछ ठीक रहा है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि कुछ प्रस्तावित आईपीओ को टाला भी जा सकता है। इस महीने के लिए प्रस्तावित आईपीओ में सबसे बड़ा नाम है सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी (एलआईसी आईपीओ) का। यह आईपीओ देश के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ होने वाला है। सरकारी बीमा कंपनी इस आईपीओ से करीब 66 हजार करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास करने वाली है। इस आईपीओ में सरकार अपनी 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने वाली है। इसमें इन्वेस्टर्स के पास करीब 3.2 करोड़ शेयर खरीदने का मौका होगा। हालांकि कुछ खबरों में कहा जा रहा है कि बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इसे अगले फाइनेंशियल ईयर के लिए टाला जा सकता है। इसके बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण आईपीओ होगा देश के सबसे बड़े शेयर बाजार एनएसई का। यह आईपीओ 10 हजार करोड़ रुपये का हो सकता है। यह आईपीओ काफी पहले आने वाला था लेकिन कई कारणों से यह टलता रहा। अज्ञात योगी प्रकरण सामने आने के बाद यह स्टॉक एक्सचेंज बीते कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसे बीएसई पर लिस्ट किया अन्य बड़े आईपीओ में स्टार्टअप कंपनी ओयो रूम्स का करीब 8,500 का इश्यू, बाबा रामदेव की कंपनी रूचि सोया का 4,300 करोड़ रुपये का आईपीओ और गो एयरलाइंस का 3,600 करोड़ रुपए का आईपीओ मुख्य है।

रूस-यूक्रेन युद्ध बिगाड़ सकता हैं एलआईसी आईपीओ का खेल, सरकार सतर्क

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन युद्ध भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आईपीओ के मोर्चे पर मोदी सरकार का खेल बिगाड़ सकता है। रुस के खिलाफ व्यापक प्रतिबंध और फाइनेंशियल मेसेजिंग प्लेटफॉर्म स्विफ्ट से कई रूसी बैंकों के निकाले जाने से एलआईसी के आईपीओ में विदेशी संस्थानों की भागीदारी कम हो सकती है। दो सरकारी अधिकारियों ने कहा कि रूसी बाजार में निवेश के कारण अमेरिकी निवेशक किसी भी सिक्योरिटी को वापस लेने और एलआईसी जैसी किसी चीज में निवेश करने की स्थिति में नहीं हैं। इसकारण वैश्विक निवेशकों के लिए यह एक इश्यू बन गया है। इसमें एलआईसी आईपीओ में निवेश करने से विदेशी निवेशक अपना हाथ पीछे खींच सकते हैं। सरकार अभी भी मार्च के अंत तक देश के सबसे बड़े बीमाकर्ता में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। इससे कम से कम 75000 करोड़ रुपये जुटाए जा सकें। हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आईपीओ के समय और सफलता पर सवालिया निशान लग गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मौजूदा संकट के कारण भारतीय बाजारों में महंगाई और अस्थिरता को प्रभावित कर रही हैं। आईपीओ के समय को लेकर सरकार इसका भी ध्यान रख रही है। सरकार आईपीओ में भी देरी नहीं करना चाहती है, क्योंकि देरी संभावित निवेशकों और बैंकरों के साथ बातचीत में मिले मोमेंटम को खो सकता है।

Sports

फुटबॉल मैच में हिंसा पर पांच अधिकारी निलंबित

मैक्सिको सिटी । मैक्सिको प्रदेश प्रशासन ने यहां पिछले सप्ताह एक फुटबॉल मैच में प्रशंसकों के बीच हुई हिंसा के मामले में पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इस हिंसा में दो टीमों के प्रशंसक भिड गये थे जिससे 26 लोग घायल हो गये थे। प्रशासन ने इस मामले में स्टेडियम की सुरक्षा के लिए नियुक्त निजी कंपनी का भी करार रद्द कर दिया गया है। यहां मेजबान क्वेरेतारो और एटलस के बीच शनिवार को हुए मैच के दौरान जब हिंसा हुई तब पुलिस भी वहां थी पर वह हालात पर नियंत्रण नहीं पा सकी। निलंबित हुए पांच अधिकारियों में पुलिस और नागरिक सुरक्षा अधिकारी भी शामिल हैं। इस हिंसा के कारण मैक्सिको के शीर्ष डिविजन के सभी मैच रविवार को रद्द करने पड़े थे। इसके साथ ही हुड़दंगी प्रशंसकों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

महिला विश्व कप : हीली की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

माउंट मोनगानुई ।

एलिसा हीली के शानदार अर्धशतक से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाकिस्तान की ओर से कप्तान बिस्माह मारूफ ने नाबाद 78 और आलिया रियाज ने 53 रन बनाये। इसके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज रन नहीं बना पायी। दोनों ने 99 रन बनाये जिससे पाकिस्तान ने छह विकेट पर 190 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलेना किंग ने दो जबकि मेगान शट, एलिसे पेरी, निकोला कारी और अमांडा वेलिंगटन ने एक एक विकेट लिया। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 191 रनों का लक्ष्य मिला जिसे उसने 35 ओवरों में ही हासिल कर लिया। हीली ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाये। हीली और रशेल हैंस 34 के बीच 60 रन की साझेदारी हुई। हैंस को नशरा संधू ने पेवेलियन भेजा। इसके बाद हीली और लानिंग 35 ने अच्छी साझेदारी कर टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाना जारी रखा। स्पिनर ओमैमा सोहेल ने लानिंग और उसके बाद हीली को आउट कर अपनी टीम की उम्मीदें जगायीं पर एलिसे पेरी ने नाबाद 26 और बेथ मूनी ने नाबाद 23 रन बनाकर टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है , उसने पहले मैच में इंग्लैंड को हराया था। वहीं पाक टीम अपने दोनो मैच हारने के कारण सबसे नीचे हैं। उसे पहले मैच में भारत के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी थी। इससे पहले पाक की ओर से कप्तान मारूफ और आलिया ने अपनी टीम को किसी प्रकार एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मैच में एक समय पाक ने 50 रनों के अंदर ही चार विकेट खो दिये थे। मारूफ और आलिया के बीच 99 रन की साझेदारी से टीम किसी प्रकार संभली। बच्चे को जन्म देने के छह महीने बाद मैदान पर वापसी करते हुए मारूफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 122 गेंदों पर अर्धशतकीय पारी खेली।

एमसीजी में राजकीय सम्मान के साथ होगा वॉर्न का अंतिम संस्कार

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न का अंतिम संस्कार मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम (एमसीजी) में होगा और इसमें एक लाख से ज्यादा लोगों के शामिल होने की संभावनाएं है। वार्न का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। इसके बाद सार्वजनिक शोकसभा का आयोजन भी होगा। प्रधानमंत्री स्कॉट मौरीसन और विक्टोरिया के प्रधानमंत्री डेनियल एंड्रयूज भी उनके अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित रहे सकते हैं। इसके लिए वे वॉर्न के परिवार के संपर्क में हैं। एमसीजी वॉर्न का पसंदीदा मैदान था। वॉर्न के मैनेजर जेम्स एर्सकिने ने कहा है कि इस महान क्रिकेटर के कद को देखते हुए कोई और स्टेडियम सही नहीं रहेगा। इसके अलावा यह मैदान वार्न को सबसे ज्यादा पसंद था।

स्थानीय मीडिया के अनुसार अंतिम संस्कार दो या तीन सप्ताह में होगा और एमसीजी पर इसका पूरा इंतजाम किया जायेगा। अभी वॉर्न का परिवार थाईलैंड से उनका पार्थिव शरीर यहां लाये जाने का इंतजार कर रहा है। वॉर्न का थाईलैंड के कोह समुई द्वीप पर शुक्रवार को संदिग्ध हालत में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।उन्होंने साल 1994 में इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में हैट्रिक लगाई थी। एमसीजी मैदान के बाहर वॉर्न की प्रतिमा लगी है और उनके निधन के बाद से यहां उनके प्रशंसकों की भीड़ है। कोई फूल चढा रहा है तो कोई बीयर के कैन तो कोई सिगरेट के पैकेट। गौरतलब है कि एमसीजी के सदर्न स्टैंड का नाम भी एस के वॉर्न स्टैंड रखने का फैसला हुआ है।

आईपीएल अभ्यास सत्र में बड़े शॉट खेलते नजर आये धोनी

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने यहां आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए अभ्यास के दौरान बड़े शॉट खेले। सीएसके ने अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है। इस वीडियो में चेन्नई के गेंदबाज सी. हरि निशांत, राजवर्धन हेंगरगेकर, केएल आसिप के अलावा बल्लेबाज अंबाति रायुडू भी नजर आ रहे हैं। अभ्यास शिविर में करीब 25 से 30 खिलाड़ी भाग लेते हुए दिखे। इससे पहले धोनी अभ्यास स्थल बदलने को लेकर चर्चाओं में आए थे। आईपीएएल प्रबंधन की इस घोशणा के बाद कि सभी मुकाबले महाराष्ट्र में होने हैं। धोनी ने अपना आधार शिविर चेन्नई से सूरत कर दिया था। सूरत के इस स्टेडियम की पिच उसी मिट्टी से बनी हुई है जिससे महाराष्ट्र की अन्य पिचें बनी हैं। ऐसे में प्रशंसक फैंस धोनी के इस फैसले की तारीफ करते नजर आये हैं। चेन्नई टीम : रविंद्र जडेजा, महेंद्र सिंह धोनी, मोईन अली, रुतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, अंबाति रायुडू, रॉबिन उथप्पा, दीपक चाहर, केएम आसिफ, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, महीष ठीकशाना, राजवर्धन हैंगरगेकर, समरजीत सिंह, ड्वोन कॉनवे, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, सेनापति, एडम मिल्ने, मुकेश चौधरी, प्रशांत सोलंकी, सी. हरि निषांत, एन. जगदीश, क्रिस जॉर्डन और के भगत वर्मा।

श्रीलंका के खिलाफ दिन-रात्रि टेस्ट को जीतकर 2-0 से सीरीज अपने नाम करना चाहेगी टीम इंडिया

बेंगलुरु ।

भारतीय टीम 12 मार्च से बेंगलुरु में गुलाबी गेंद से होने वाले सीरीज के दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में 2-0 से जीत दर्ज करने के इरादे से इरादे से उतरेगी। दिन-रात्रि के इस मैच में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। उससे मोहाली में हुए पहले मैच में एक पारी और 122 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया अब सभी सभी सीरीज जीती है। इससे पहले भारत में अब तक जो दो दिन-रात्रि टेस्ट हुए हैं उनमें भी भारतीय टीम ने ही जीत दर्ज की हैं। टीम इंडिया के लिए सकारात्मक बात यह है कि उसके बल्लेबाजी और गेंदबाज जबरदस्त फार्म में हैं। रविन्द्र जडेजा ने पहले टेस्ट में गेंद ओर बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं आर अश्विन भी पीछे नहीं रहे। वहीं दूसरी ओर श्रीलंकाई टीम को इसके बाद भी कम आंकना भूल होगी। भले ही वह मोहाली टेस्ट तीन दिन के भीतर हार गई हो पर दिन-रात्रि टेस्ट में उसका रिकार्ड अच्छा रहा है और उस रिकार्ड के बल पर श्रीलंकाई टीम भारत को टक्कर दे सकती है। श्रीलंका में अब तक कोई दिन-रात्रि टेस्ट नहीं खेला गया है पर श्रीलंकाई टीम ने दो बार विरोधी टीमों को उनकी ही धरती पर दिन-रात्रि टेस्ट मैचों में हराया है। हालांकि, श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में खेले गए एक दिन-रात्रि टेस्ट में हारी थी। श्रीलंका अकेली ऐसी टीम है जिसने विरोधी टीम को उसके घर में दिन-रात्रि टेस्ट में हराया है और इससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। बेंगलुरु का एम चिन्नास्वामी

स्टेडियम दिन-रात्रि टेस्ट का आयोजन करने वाला देश का तीसरा स्टेडियम बनेगा। केवल आस्ट्रेलिया में ही भारत से ज्यादा स्टेडियम में दिन-रात्रि टेस्ट हुए हैं। आस्ट्रेलिया के चार स्टेडियमों में दिन-रात्रि मैच आयोजित हुए हैं। भारत और आस्ट्रेलिया के अलावा किसी भी देश ने एक से ज्यादा स्टेडियम में दिन-रात्रि टेस्ट का आयोजन नहीं किया है। भारत और आस्ट्रेलिया के अलावा किसी भी देश ने एक से ज्यादा स्टेडियम में दिन-रात्रि टेस्ट का आयोजन नहीं किया है।

इस प्रकार एम चिन्नास्वामी स्टेडियम दिन-रात्रि टेस्ट आयोजित करने वाला दुनिया का 12वां स्टेडियम बनेगा। इस मैच में प्रशंसकों को पूर्व कप्तान विराट कोहली के 71 वें शतक का इंतजार रहेगा। विराट पिछले दो साल से एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं।

संक्षिप्त समाचार

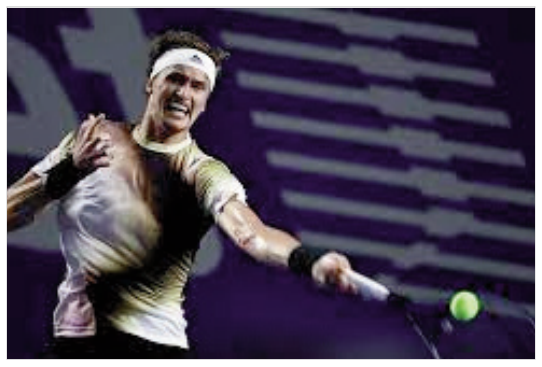

एटीपी ने ओलंपिक चैंपियन ज्वेरेव को निलंबित किया

लंदन । विश्व टेनिस की शीर्ष संस्था (एटीपी) ने ओलंपिक चैंपियन और विश्व के तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव को आठ सप्ताह के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। ज्वेरेव पर ये प्रतिबंध एटीपी की नियंत्रक इकाई ने लगाया है। हाल ही में अकापुल्को एटीपी टेनिस 500 प्रतियोगिता के दौरान युगल मैच में हारने के बाद ज्वेरेव ने अंपायर को अपशब्द कहने के अलावा कुर्सी पर रैकेट भी फेंका था। इसके कारण ज्वेरेव को टूर्नामेंट से निष्कासित भी किया गया था। प्रतिबंध के साथ-साथ ज्वेरेव पर पच्चीस हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है, जो अकापुल्को एटीपी 500 टेनिस प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि से अधिक है। इस दौरान उनके एकल और युगल में अर्जित किए गए रैंकिंग अंक भी शामिल नहीं किए जाएंगे। इस मामले पर समीक्षा बैठक के बाद एटीपी ने पाया कि 24 वर्षीय जर्मनी के खिलाड़ी ने काफी उग्र व्यहार किया। जिसके बाद उन पर अतिरिक्त 25 हजार डॉलर के जुर्माने के अलावा 8 सप्ताह का प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। अब निलंबन की अवधि में वह टेनिस की किसी स्पर्धा में भाग नहीं ले सकेंगे।

वार्नर ने देसी अंदाज में ठुमका लगाकर प्रशंसकों का मनोरंजन किया

रावलपिंडी । 24 साल बाद पाकिस्तान दौरे पर यहां पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम यहां अपना पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेल रही है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर बॉलीवुड फिल्म पुष्पा के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। इससे पाक प्रशंसकों का भी अच्छा मनोरंजन हो रहा है। वार्नर कभी देसी ठुमका तो कभी 'मैं झुकेगा' नहीं से स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी वॉर्नर के दो वीडियो वायरल हुए हैं। वॉर्नर एक वीडियो में टेस्ट मैच के बीच में ही फील्डिंग के समय 'पुष्पा' फिल्म के लोकप्रिय डायलॉग 'मैं झुकेगा नहीं' की कॉपी करते नजर आए जबकि दूसरे में वह देसी अंदाज में ठुमका लगा रहे हैं। गौरतलब है कि वॉर्नर क्रिकेट के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय बने रहते हैं और समय-समय पर वह अपनी तस्वीरें व वीडियो शेयर करते रहे हैं, जिसे प्रशंसकों ने खूब पसंद किया है। वॉर्नर से पहले श्रीलंका के खिलाफ मोहाली टेस्ट मैच मैच में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली अभिनेता अल्लू अर्जुन का यह सिग्नेचर स्टेप करते नजर आए थे. इससे पहले ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह पूरी तरह अल्लू अर्जुन की लुक में नजर आ रहे थे।

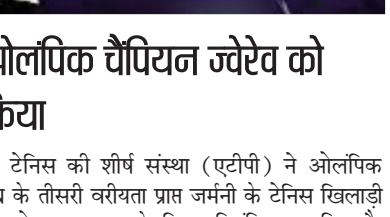

वॉर्न और उनके दोस्तों को मसाज देने आई थीं चार महिलाएं

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न की संदिग्ध हालत में हुई मौत का मामला उलझता जा रहा है। जहां पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी मौत में किसी प्रकार की कोई साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। वहीं अब अलग-अलग चीज़ें सामने आ रही हैं। वॉर्न थाईलैंड के जिस रिजॉर्ट में रुके हुए थे, वहां की सीसीटीवी फुटेज से मालूम पड़ा है कि वॉर्न और उनके दोस्तों को मसाज देने के लिए चार थाई महिलाएं तब रिजॉर्ट में आई थीं पर तबतक वॉर्न के निधन की बात सामने आ गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार एक महिला को वॉर्न को फुटमसाज देने के लिए जाना था पर जब उसने कमरे का गेट खटखटाया तब किसी ने दरवाजा नहीं खोला था। वॉर्न का निधन शुक्रवार को थाईलैंड के सामुजान विला में हुआ था, जहां पर वह अपने दोस्तों के साथ छुट्टी मनाने के लिए आए हुए थे। पुलिस को जो फुटेज मिली है, उसमें दिखाया गया है कि चार महिलाएं वहां से निकल रही हैं।

ये वॉर्न के शव मिलने से कुछ मिनट का ही है। इन्हीं चार में से एक महिला के अनुसार, उनकी पांच बजे की बुकिंग थी, जिसमें उन्हें मसाज, फुटमसाज और नेल ट्रीटमेंट के लिए बुलाया गया था। इस महिला के मुताबिक, जब वह वॉर्न के कमरे के पास पहुंची तो कोई जवाब नहीं मिला। उसके बाद महिला ने अपनी बॉस को मैसेज कर बताया कि वॉर्न दरवाजा नहीं खोल रहे हैं। इसके कुछ देर बाद ही वॉर्न के निधन की बात सामने आई थी। रिजॉर्ट की सीसीटीवी फुटेज जो सामने आई हैं ।

जो वह दोपहर 2 बजे के आसपास की हैं। मसाज करने पहुंची चार महिलाओं में से दो महिलाएं वॉर्न के कमरे में भी गई थीं। पुलिस का मानना है कि यही दो महिलाएं हैं, जिन्होंने वॉर्न को आखिरी बार देखा था। वहीं पुलिस प्रमुख ने सीसीटीवी फुटेज आने के बाद कहा है कि वॉर्न ने महिलाओं को मसाज के लिए बुलाया था, लेकिन इसका उनकी मौत से कुछ भी लेना-देना नहीं है।

दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी आईपीएल के शुरूआती मैच करेंगे मिस

खेल डैस्क । दक्षिण अफ्रीका के 8 बड़े सितारे इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन में कम से कम एक मैच मिस करने वाले हैं। दरअसल, बांगलादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए जो 16 सदस्यीय टीम की घोषणा हुई है उसमें आठ दक्षिण अफ्रीका के वह खिलाड़ी हैं जो आईपीएल में हिस्सा ले रहे हैं। द. अफ्रीका ने 18 मार्च से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। ऐसे में क्वारंटीन के कारण सभी स्टार्स का आईपीएल से एक मैच मिस होना पक्का हो गया है। बांगलादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम में क्विंटन डी कॉक, मार्को जेनसन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा और रासी वैन डेर डूसन को शामिल किया गया है। चूंकि एकदिवसीय श्रृंखला 23 मार्च को ही समाप्त हो जाएगी, खिलाड़ी दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला को छोड़ देने पर भी कम से कम पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। क्योंकि आईपीएल में तीन दिन का अनिवार्य संगरोध है। 27 मार्च को सभी खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे लेकिन तब तक वह पहला मुकाबला छोड़ चुके होंगे। अगर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड 31 मार्च से 12 अप्रैल तक होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपने सितारा खिलाड़ियों को रोक लेता है तो आईपीएल के बड़े हिस्से में स्टार्स प्लेयर की कमी हो सकती है। टेम्बा बावुमा (कप्तान), केशव महाराज (उपकप्तान), क्विंटन डी कॉक, जुबैर हमजा, मार्को जेनसेन, जेनमैन मालन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, वेन पार्नेल, एंडिले फेहलुकवायो, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रस्सी वैन डेर डूसन, काइल वेरेने कैगिसो रबाडा (पंजाब किंग्स), फाफ डु प्लेसिस (बेंगलुरु), क्विंटन डी कॉक (लखनऊ), एनरिक नॉर्टजे (दिल्ली), मार्को जेन्सन (हैदराबाद), डेविड मिलर (गुजरात), डेवाल्ड ब्रेविस (मुंबई), एडेन मार्कराम (हैदराबाद), रस्सी वैन डेर डूसन (राजस्थान), लुंगी एनगिडी (दिल्ली), ड्वेन प्रीटोरियस (चेन्नई) ।

बीसीसीआई ने पिच से छेड़छाड़ मामले की जांच से इंकार किया

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले साल चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले पिच से छेड़छाड़ के आरोपों को गलत बताया है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ पिच के प्रभारी क्यूरेटर ने भारतीय टीम के मुख्य कोच और प्रबंधन की बातें नहीं मानी थीं। पिच के प्रभारी क्यूरेटर से तत्कालीन टीम प्रबंधन ने पिच को पानी नहीं देने और 'रोलिंग नहीं करने को कहा था पर उसने ऐसा नहीं किया जिसका नुकसान मैच में भारतीय टीम को झेलना पड़ा और उसे मैच में करारी हार मिली थी। बीसीसीआई ने हालांकि इस मामले में जांच की जरुरत से इंकार किया है। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार इस प्रकार के सभी आरोप आधारहीन हैं। उसे मैच में करारी हार मिली थी। बीसीसीआई ने हालांकि इस मामले में जांच की जरुरत से इंकार किया है। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार इस प्रकार के सभी आरोप आधारहीन हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले वाले एक अधिकारी ने कहा कि अगर तत्कालीन टीम प्रबंधन से किसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मैच के लिए इस्तेमाल होने वाली पिच में बदलाव के लिए बाध्य करने का प्रयास किया था तो फिर जांच उसकी होनी चाहिए।

पीवी सिंधू और श्रीकांत जर्मन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

मुएलहेम एन डेर रुहर ।

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू और विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता किदांबी श्रीकांत ने मंगलवार को यहां 180,000 डालर इनामी राशि के जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने एकतरफा मुकाबले में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को 21-8, 21-7 से शिकस्त दी जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत ने फ्रांस के विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी ब्राइस लीवरडेज़ को 48 मिनट में 21-10, 13-21, 21-7 से पराजित किया। सिंधू की यह थाईलैंड की विश्व में 11वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ 15वीं जीत है जबकि श्रीकांत ने लीवरडेज के खिलाफ अपना रिकार्ड 4-0 कर दिया। सिंधू का अगला मुकाबला स्पेन की बीट्रिज कोरालेस या चीन के च्यांग यी मान से जबकि श्रीकांत का सामना चीन के लू गुआंग जू से होगा। श्रीकांत का उनके खिलाफ रिकॉर्ड 2-0 का है। श्रीकांत कोरोना संक्रमण के कारण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट नहीं खेल सके थे। साई प्रतीक के और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को हालांकि थाईलैंड के डेचापोल पुवारानुक्रोह और सप्सिरी तेरत्तनाचाई की शीर्ष वरीय जोड़ी से पहले दौर में ही 19-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में बुसानन के खिलाफ सिंधू शुरू से हावी हो गई औरउन्होंने सिंधू ने पहले गेम में जल्द ही 11-4 से बढ़त बनाई जबकि बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने केवल 32 मिनट में जीत दर्ज की। सिंधू ने पहले गेम में जल्द ही 11-4 से बढ़त बनाई और फिर निर्णायक गेम में श्रीकांत ने दोबारा लय हासिल करके जीत अपने नाम की।

भविष्य के लिए बेहतर टीम तैयार करना लक्ष्य : रोहित

मोहाली । भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य भविष्य के लिए एक बेहतर टीम तैयार करना है। रोहित के अनुसार अच्छी 'बेंच स्ट्रेंथ तैयार करना है भी जीत दर्ज करने जितना ही जरुरी है। रोहित ने कहा कि अगर आपको 'बेंच स्ट्रेंथ बनानी है तो आपको अभी से सोचना शुरू करना होगा, तभी भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में रहेगा। यह मेरी चुनौतियों में से एक है और मेरी जिम्मेदारियों में से एक है। मैंने यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है कि ऐसी बेंच स्ट्रेंथ तैयार की जाये जिसमें सभी बातों का ध्यान रखा जा सके। टीम अब अनुभवी चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे से आगे बढ़ रही है , इसलिए युवा खिलाड़ियों को अपने पर भरोसा दिलाना जरूरी रहेगा। उन्होंने कहा कि मेरे लिये अहम है कि मैं इन युवा खिलाड़ियों को किस तरह से खिलाता हूं जो बाहर बैठे हैं और मैं उन्हें आत्मविश्वास कैसे दिला सकता हूं। जब उन्हें अवसर मिले तो उन्हें बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि उन्हें क्या करना और हासिल करना है। इससे हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ेगा, भले ही हम जीते या फिर हारें। कप्तान ने यह भी कहा कि कोई भी नये खिलाड़ियों से आते ही मैच जिताने की उम्मीद नहीं कर सकता। आप यह नहीं कह सकते कि आपको मैच जिताने ही होंगे क्योंकि मैच जीतने के लिए आपको कई चीजें करने की जरूरत होती है। बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने के लिए खिलाड़ियों के लिए स्पष्ट रुख के साथ ही अच्छा माहौल बनाये रखने की जरूरत है ताकि खिलाड़ी अच्छे माहौल में निखर सकें।

पॉमोलॉजिस्ट बनकर संवारें अपना भविष्य

सबसे पहले तो आपको पेड़-पौधों से लगाव होना चाहिए और उनके बारे में जानने की उत्सुकता होनी चाहिए। इसके अलावा आपको फलों के पौधे की खेती और इसके गुणों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। आपके भीतर धैर्य व कड़ी मेहनत करने व रिसर्च आदि के गुण भी होने चाहिए।

देश का भविष्य दो लोगों के हाथ में होता है एक अध्यापक और दूसरा किसान। जहां एक अध्यापक बच्चों में अच्छे संस्कारों का समावेश करते हैं, वहीं किसान अच्छी पैदावार के जरिए देश को स्वस्थ बनाते हैं और उनके इस काम में उनकी मदद करते हैं पॉमोलॉजिस्ट। एक पॉमोलॉजिस्ट एक पेशेवर है जो फल और नट्स के पौधों की उचित वृद्धि और प्रजनन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। वे आमतौर पर बागों, खेतों और प्रयोगशालाओं में काम करते पाए जाते हैं। एक पॉमोलॉजिस्ट फलों के विकास के विभिन्न चरणों का अध्ययन करता है और फल उत्पादन को बेहतर बनाने में मदद करता है। उनके पास फल और पेड़ों के भौतिक और रासायनिक गुणों की अच्छी समझ होती है। वे एक विशिष्ट क्षेत्र में फलों की सबसे अच्छी उपज सुनिश्चित करते हैं और जलवायु विज्ञान का अच्छा ज्ञान रखते हैं जो पौधों की वृद्धि के लिए एक आवश्यक कारक है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि एक पॉमोलॉजिस्ट बनने के लिए आपमें कौन से गुण होने चाहिए–

स्किल्स

अगर आप इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे हैं तो आपमें कुछ स्किल्स अवश्य होने चाहिए। सबसे पहले तो आपको पेड़-पौधों से लगाव होना चाहिए और उनके बारे में जानने की उत्सुकता होनी चाहिए। इसके अलावा आपको फलों के पौधे की खेती और इसके गुणों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। आपके भीतर धैर्य व कड़ी मेहनत करने व रिसर्च आदि के गुण भी होने चाहिए।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि विज्ञान विषय से 12 वीं उत्तीर्ण करने के बाद, उम्मीदवार को स्नातक, वनस्पति विज्ञान, कृषि विज्ञान के समकक्ष डिग्री हासिल करनी चाहिए। जो लोग फलों में एक वैज्ञानिक या शोधकर्ता के रूप में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, उन्हें पॉमोलॉजी में एमएससी करनी चाहिए और इसके बाद पोमोलॉजी में पीएचडी करना चाहिए।

संभावनाएं

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप इस क्षेत्र में संबंधित पढ़ाई करने के बाद पॉमोलॉजी एग्रीकल्चर सुपरवाइजर, फ्रूट साइंटिस्ट, पॉमोलॉजी टेक्निशियन, पॉमोलॉजी प्रोफेसर व फ्रूट फार्मर के रूप में काम कर सकते हैं। आपके लिए एग्रीकल्चरल आर्गेनाइजेशन से लेकर कॉलेज व यूनिवर्सिटी, रिसर्च इंस्टीट्यूट, लेबोरेटरी व ग्रीनहाउस आदि में जॉब की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसके अलावा आप गवर्नमेंट आर्गेनाइजेशन में भी काम कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करेगी कि आप किस पद पर और किस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। फिर भी शुरूआत में आप 25000–30000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- बीयू भोपाल, भोपाल
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, पुणे
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई
- तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर
- डीजी वैष्णव कॉलेज, चेन्नई
- भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, खड़गपुर
- माउंट कार्मल कॉलेज, बैंगलोर

वेब डिजाइन वेबसाइटों के उत्पादन और रखरखाव में कई अलग-अलग कौशल और विषयों को शामिल करता है। वेब डिजाइन के विभिन्न क्षेत्रों में वेब ग्राफिक डिजाइन, उपयोगकर्ता इंटरफेस डिजाइन, मानकीकृत कोड और मालिकाना सॉफ्टवेयर सहित संलेखन, उपयोगकर्ता अनुभव डिजाइन, और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन शामिल हैं। वेब डिजाइनिंग आज के आईटी क्षेत्र का एक अभिन्न अंग है। वेब डिजाइनिंग का उपयोग वेबसाइटों के निर्माण और योजना के लिए किया जाता है। सामान्यतया, वेब डिजाइन किसी भी वेबसाइट की विकास प्रक्रिया से डील के बारे में है। कॅरियर के नजरिए से आईटी उद्योग में कॅरियर शुरू करने के लिए वेब डिजाइन एक अच्छा विकल्प और अवसर है। वेब डिजाइनर अपनी ऑनलाइन पहचान स्थापित करने के लिए वेबसाइट, वेब पेज और सरकारी या गैर-सरकारी संगठनों, व्यवसायों, उद्योगों और कॉर्पोरेट फर्मों के लिए वेब एप्लिकेशन डिजाइन करते हैं।

वेब डिजाइनिंग के क्षेत्र में करें कॅरियर का निर्माण

वेबसाइट संरचना बनाने के लिए एक वेब डिजाइनर कई चीजों का उपयोग करता है, जैसे कि टेक्स्ट, सूचना वास्तुकला, चित्र, फॉन्ट, रंग, मार्कअप भाषा और अन्य इंटरैक्टिव तत्व। दूसरे शब्दों में वेब डिजाइनिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक वेब डिजाइनर विजिटर्स को एक ही मंच पर कई लिंक, चित्र, ग्राफिक्स, आदि के साथ वेब पेज तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। वेब डिजाइनर किसी भी तरह की वेबसाइट पर काम करते हैं, एक इंटरैक्टिव शिक्षा साइट से लेकर खरीदारी की ऑनलाइन साइट तक। इस भूमिका के मुख्य कार्य हैं :

- ग्राहकों से इस बात पर चर्चा करने के लिए कि वे अपनी साइट को क्या करना चाहते हैं और इसका उपयोग कौन करेगा
- एक डिजाइन योजना तैयार करना, साइट की संरचना को दिखाना और विभिन्न भागों को एक साथ जोड़ना
- निर्णय लेना कि कौन सा ब्रांडिंग, टेक्स्ट, रंग और पृष्ठभूमि का उपयोग करना है
- डिजाइन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पेज और पोजिशनिंग बटन, लिंक और चित्र बनाना
- मल्टीमीडिया फीचर्स, जैसे साउंड, एनीमेशन और वीडियो जोड़ना
- परीक्षण और डिजाइन और साइट में सुधार, जब तक कि सब कुछ योजना के अनुसार काम न करे
- ऑनलाइन प्रकाशन के लिए साइट को सर्वर पर अपलोड करना

वेब डिजाइनर बनने की पात्रता

- डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी स्ट्रीम में 10 वीं कक्षा या 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
- स्नातक की डिग्री में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में 12 वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा (डिप्लोमा / प्रमाणन) उत्तीर्ण होना चाहिए।
- पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज / संस्थान / विश्वविद्यालय से किसी भी स्ट्रीम में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए।

इसके अलावा उम्मीदवारों को वेब डिजाइनिंग में 1 से 2 साल का डिप्लोमा या वेब डिजाइनिंग में 6 महीने से 1 साल का सर्टिफिकेट होना चाहिए। कुछ संस्थान / कॉलेज डिप्लोमा कोर्स के लिए कोई आयु सीमा प्रदान नहीं करते हैं। आप एक उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम भी ले सकते हैं, जैसे एक फाउंडेशन डिग्री, क्काकया एक डिजाइन या मल्टीमीडिया विषय में डिग्री। प्रासंगिक विषयों में शामिल हैं :

- वेब डिजाइन और डेवलपमेंट
- मल्टीमीडिया डिजाइन
- डिजिटल मीडिया डेवलपमेंट
- इंटरैक्टिव कंप्यूटिंग

आपको HTML के एक अच्छे कामकाजी ज्ञान और कोड के संयोजन में वेब पेज लिखने के अनुभव की आवश्यकता होनी चाहिए। यह और भी उपयोगी हो सकता है अगर आपको निम्नलिखित डिजाइन और प्रोग्रामिंग टूलों में से कुछ का ज्ञान हो :

- ड्रीमविवर और फोटोशॉप
- फ्लैश ● सीएसएस
- जावास्क्रिप्ट ● नेट फ्रेमवर्क

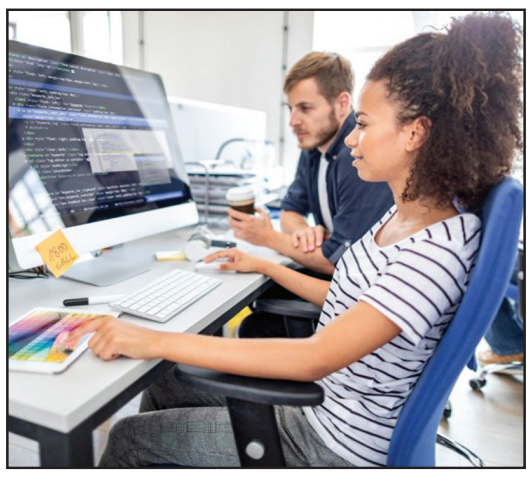

वेब डिजाइनर जॉब रोल्स के प्रकार

कई तरह की नौकरियों के लिए आजकल वेब डिजाइनर की आवश्यकता होती है। निम्नलिखित कुछ नौकरी प्रोफाइल हैं जो वेब डिजाइनर आवश्यक कौशल और योग्यता प्राप्त करने के बाद ले सकते हैं।

फ्रंट-एंड डेवलपर : फ्रंट-एंड वेब डेवलपर की भूमिका उन विजुअल तत्वों / प्रभावों को लागू करना है जो उपयोगकर्ता वेब एप्लिकेशन के भीतर देखते हैं और बातचीत करते हैं।

बैक-एंड डेवलपर : बैकएंड वेब डेवलपर्स वर्क फ्रंटेंड डेवलपर्स के एकीकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और वे सर्वर-साइड वेब एप्लिकेशन लॉजिक के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

वेब एप्लिकेशन डेवलपर : वेब एप्लिकेशन डेवलपर क्लाइंट की विशिष्टताओं के अनुसार वेबसाइट डिजाइनिंग, संशोधन, कोडिंग और लेआउट आदि के लिए जिम्मेदार होते हैं।

डिजाइन और लेआउट विश्लेषक : डिजाइन और लेआउट विश्लेषक एक ऐसा व्यक्ति होता है जो लेआउट संपादकों के डिजाइन और प्रिंट या ऑनलाइन उपयोग के लिए पृष्ठों या अन्य सामग्रियों के लिए जिम्मेदार होता है।

वरिष्ठ वेब विश्लेषक : वरिष्ठ वेब विश्लेषक की भूमिका अत्याधुनिक और उन्नत तकनीकों का उपयोग करके सोलूशन्स बनाना और उसे मेन्टेन रखना होती है।

वेब मार्केटिंग एनालिस्ट : ऑनलाइन क्लाइंट व्यवहार, वेबसाइट विश्लेषण, ऑनलाइन विज्ञापन और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के कार्यान्वयन और विकास के संबंध में डेटा के संग्रह और व्याख्या सहित वेब मार्केटिंग विश्लेषक के कर्तव्य कई प्रकार के होते हैं।

प्रोफेशनल कोर्स करना चाहते हैं, तो पहले ये जानें

आज बारहवीं के बाद ही युवा कॅरियर निर्धारित करने लगे हैं। आज से कुछ सालों पहले तक यही सोच थी कि पहले पढ़ाई पूरी कर लें, बाद में नौकरी के बारे में सोचेंगे। अधिकतर स्टूडेंट्स यह सोचते हैं कि यदि परंपरागत प्रोफेशनल कोर्स जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए, सीएस आदि में एडमिशन नहीं मिल पाया तो उसके बाद प्रोफेशनल और एकेडमिक कोर्स में से क्या बेहतर होगा।

पहले ये सोचें

प्रोफेशनल कोर्स में जाने से पहले आपको कुछ सवालों के जवाब खुद तलाशने होंगे। क्या आपको अपनी परिस्थितियों और पारिवारिक समस्याओं के चलते जॉब की सख्त आवश्यकता है? क्या आपका परिवार आर्थिक रूप से इतना सक्षम है कि प्रोफेशनल शिक्षा के खर्च का वहन कर सके? अधिकतर स्टूडेंट्स पारिवारिक और आर्थिक समस्याओं के चलते प्रोफेशनल कोर्स का चयन करते हैं, ताकि कुछ वर्षों की पढ़ाई करने के बाद नौकरी का बेहतर विकल्प मिल सके। लेकिन कुछ कोर्स की फीस काफी अधिक होती है। इस कारण आपके लिए बेहतर होगा कि कोर्स चुनने से पहले उसकी फीस, कैंपस प्लेसमेंट और घर की आर्थिक स्थिति से भलीभांति अवगत हो जाएं।

क्या है रूचि

कोई भी कोर्स खराब नहीं होता है, क्योंकि सभी क्षेत्रों में सभी तरह के लोगों की मांग रहती है। इस कारण सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें कि हमें यह कोर्स करना है। कोर्स का चयन करते समय कुछ बातों को ध्यान रखेंगे, तो आप सही और बेहतर कोर्स चुनने में सफल हो सकते हैं। सही कॅरियर चुनने से पहले आप अपनी रुचि, आर्थिक स्थिति और आनेवाले समय में इनकी मांगों को अवश्य देखें। अब कॅरियर के क्षेत्र में मिलने वाले अवसरों का वर्गीकरण कुछ इस तरह से हो गया है कि हर किसी के पास अपनी क्षमताओं, रुचियों व रुझानों के मुताबिक कई तरह के कॅरियर ऑप्शन हैं। प्रोफेशनल कोर्स ने छात्रों को ढेरों विकल्प दिए हैं।

पढ़ाई पहले

अक्सर स्टूडेंट्स किसी संस्थान में इस कारण एडमिशन ले लेते हैं कि उसका नाम काफी है। अन्य संस्थानों की अपेक्षा काफी पैसे भी देने के लिए राजी हो जाते हैं, लेकिन उन्हें पछतावा तब होता है, जब उस संस्थान में अपेक्षा के अनुरूप पढाई नहीं होती है। उस समय स्टूडेंट्स के पास कोई अन्य विकल्प नहीं होता है। आप यदि किसी संस्थान में किसी तरह का कोर्स करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस संस्थान के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। जानकारी प्राप्त करने का बेहतर तरीका यह है कि आप उस संस्थान में पढ रहे स्टूडेंट्स से पढ़ाई और फैकल्टी मेंबर्स के बारे में सही जानकारी लें। वहां के स्टूडेंट्स आपको सही बात बता देंगे। कुछ स्टूडेंट्स संस्थान के प्रोस्पेक्टस के आधार पर ही कैंपस प्लेसमेंट को सही मान लेते हैं। आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिछले वर्ष पास किए गए स्टूडेंट्स की संख्या और नौकरी प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर ही कोई निर्णय लें।

बनें जीएसटी के एक्सपर्ट

बिगनर कोर्स को आप डिप्लोमा भी समझ सकते हैं, जिसके लिए आपको 12वीं पास करना आवश्यक होता है। इसमें आपको 24 से 48 घंटे तक की क्लास रूम ट्रेनिंग दी जाती है और तमाम जीएसटी के बेसिक्स की जानकारी आपको दी जाती है।

भारतवर्ष में टैक्स सुधार की दिशा में जीएसटी एक बड़ा कदम माना गया। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, यानी वस्तु एवं सेवा कर, अपने आप में एक बड़ा क्रांतिकारी कदम था और पूरे देश में एक समान टैक्स की व्यवस्था करने में इसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके पहले कई तरह के टैक्सेज थे, जो अलग-अलग जगहों पर लगते थे और उसकी वजह से लालफीताशाही भी खूब फलती फूलती थी। साथ ही जीएसटी आने के बाद अब ऐसे प्रोफेशनल्स की भी भारी डिमांड हो चुकी है, जो इन कोर्सेज में विशेषज्ञ हों, जो समझ सकें और समझा सकें कि कस्टमर के लिए क्या बेहतर है और क्या लाभकारी नहीं है, खासकर टैक्स के मामले में! छोटे व्यापारियों के लिए यह काफी बेहतर माना गया, क्योंकि तमाम सरकारी फॉर्मेलिटी और परमिशन लेने के प्रोसेसेस इसमें काफी कम किए गए हैं। साथ ही लॉजिस्टिक भी इससे आसान ही हुआ है, तो असंगठित क्षेत्र भी रेगुलेट होने की दिशा में मजबूती से बढ़ चला है। ऐसे में क्या आप भी इस फील्ड के एक्सपर्ट बनना चाहते हैं? आइए देखते हैं इसकी डिटेल्स, लेकिन उससे पहले आप जान लें कि जीएसटी में मुख्य रूप से कौन-कौन से काम शामिल किए जाते हैं। जीएसटी ट्रांजैक्शंस का रजिस्ट्रेशन इसमें सबसे पहले आता है। जी हां! इस कार्य में अगर 20 लाख से अधिक आपका टर्नओवर है तो आप एक टैक्सेबल सिटीजन के तौर पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने के योग्य हो जाते हैं। ध्यान रहे, अगर इस लिमिट पर आप नहीं कराते हैं, तो फिर आप पर पेनाल्टी लग सकती है। इसके बाद जीएसटी रिटर्न की बात आती है। इसमें अलग-अलग फॉर्म होते हैं, जिसमें सेल, परचेज और दूसरे टैक्स इत्यादि की डिटेल भरनी होती है।

इसके बाद तीसरा जो काम आता है वह जीएसटी एकाउंटिंग का काम होता है। इसमें बारीकी से कैलकुलेशन को चेक किया जाता है और विभिन्न बिजनेस और आपकी संस्था की विशेष जरूरतों को पूरा करने की प्रक्रिया करनी होती है।

इसके बाद चौथे नंबर पर जीएसटी रिकॉर्ड की बात आती है। जाहिर तौर पर यहां रिकॉर्ड मेंटेन किया जाता है। इसे ड्राफ्ट रिकॉर्ड्स रूल्स भी कहते हैं, जिसमें एडिशनल जीएसटी अकाउंटिंग और रिकॉर्ड कीपिंग रिक्वायरमेंट शामिल किया जाता है। जाहिर तौर पर यह सारी चीजें अगर आप सीख लेते हैं तो आपको मार्केट में अच्छी खासी अपॉर्चुनिटी मिलने की संभावना प्रबल हो जाती है। पर प्रश्न उठता है कि कौन से कोर्सेज इसके लिए बेहतर है?

इसमें सबसे पहले बिगनर कोर्स आता है। बिगनर कोर्स को आप डिप्लोमा भी समझ सकते हैं, जिसके लिए आपको 12वीं पास करना आवश्यक होता है। इसमें आपको 24 से 48 घंटे तक की क्लास रूम ट्रेनिंग दी जाती है और तमाम जीएसटी के बेसिक्स की जानकारी आपको दी जाती है। सामान्य तौर पर यह कोर्स 5000 तक आपको मार्केट में उपलब्ध हो जाता है। इसके बाद आप जीएसटी इंटरमीडिएट कोर्स कर सकते हैं। जी हां! बिगनर कोर्स के बाद यह कोर्स आपके सामने आता है और प्रैक्टिकल जानकारी आपको इसमें प्रदान की जाती है। अकाउंट्स और मैनेजर के लिए भी यह कोर्स काफी अच्छा माना जाता है, और ई लर्निंग के माध्यम से इस कोर्स को पूरा किया जा सकता है। तकरीबन 60 घंटे तक, इसकी ट्रेनिंग पर्याप्त होती है। लगभग 6000 में यह कोर्स अवेलेबल है।

टैली ईआरपी

इसे भी 12वीं पास बच्चे कर सकते हैं। इसमें मैथमेटिकल कंप्यूटेशन भी शामिल होता है। कोई भी कंपनी अपनी बैलेंस शीट को अपने खर्चे और दूसरे अकाउंटिंग से जुड़े हिसाब किताब को मेंटेन करने के लिए आज के समय में ईआरपी भी यूज करती है। अगर आप भी ऑनलाइन इस कोर्स को करना चाहते हैं, तो अधिकतम 40 घंटे में इसे पूरा कर सकते हैं। 3000 से 4000 के बीच में यह कोर्स आपको अवेलेवल है। एक्सपर्ट लेवल के कोर्स के लिए भी 12वीं तक की शिक्षा अनिवार्य होती है, लेकिन तकरीबन 135 घंटे की ऑनलाइन या क्लासरूम ट्रेनिंग आपको करना होता है। फिर एग्जाम देने के बाद आप जीएसटी में एक्सपर्ट लेवल के डिप्लोमा होल्डर कहला सकते हैं। कोर्स के लिए 12 से 14000 के बीच में फीस आपको चुकानी पड़ सकती है।

जीएसटी बिजनेस मैनेजमेंट

जी हाँ!, अगर आप 12वीं पास हैं तो आप इस कोर्स में जा सकते हैं। तकरीबन 8,000 रुपए देकर आप 60 घंटे तक की ऑनलाइन ट्रेनिंग ले सकते हैं। अब आप समझ गए होंगे कि अलग अलग तरीके के कोर्सेज किस तरीके से आपको फायदा दे सकते हैं। इसके अलावा आईसीएआई यानी भारतीय लागत लेखाकार संस्थान ने भी जीएसटी कोर्स की शुरुआत की है। यह जीएसटी का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम माना जाता है। अगर आप ऐसे ही कोर्सेज दूसरी यूनिवर्सिटीज से करना चाहते हैं तो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ यूनिवर्सिटी जैसे तमाम संस्थान भी जीएसटी पर कोर्सेज करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में भी जीएसटी पर पाठ्यक्रम शुरू होने वाला है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि आप इस फील्ड में कितना इंटरेस्ट लेते हैं और किस तरीके से अपने कॅरियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

पुतिन की चार शर्तें मान लें जेलेंस्की, तब अभी रुक जाएं जंग

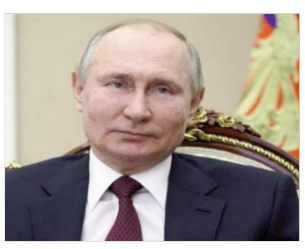

मास्को ।

रूस में पिछले 13 दिनों से जंग जारी है। जहां रूस यूक्रेन के कई बड़े शहरों पर हमला कर रहा है, वहीं यूक्रेन ने भी हार नहीं मानने की ठान ली है। रूस और यूक्रेन के बीच की तीसरे दौर की बातचीत भी बेनतीजा रही है। दोनों देशों के बीच युद्ध विराम पर कोई सहमति नहीं बनी है। रूस ने तीसरे दौर की वार्ता में युद्ध विराम के लिए यूक्रेन के सामने चार शर्तें रखी हैं। हालांकि रूस के खिलाफ काफी आक्रमक नजर आ रहे जेलेंस्की सरेंडर करने के मूड में कतई नजर नहीं आ रहे हैं। रूसी सरकार ने अपनी पहली शर्तें में कहा है कि यूक्रेन तुरंत अपनी सैन्य कार्रवाई बंद कर दे। क्रिमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि हम यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई रोक देंगे लेकिन इसके लिए यूक्रेन की सेना को रूस के खिलाफ अपनी कार्रवाई बंद करनी होगी। दूसरी शर्त में यूक्रेन अपने संविधान में संशोधन करके इस प्रस्तावना को जोड़ता हैं, कि वहां कभी भी नाटो देशों को ज्वाइन नहीं करेगा,तब रूस इस युद्ध को रोकने में जरा भी देर नहीं लगाएगा। यूक्रेन क्रीमिया को रूसी हिस्से के रूप में मान्यता दे। बता दें कि क्रीमिया कभी रूस का ही हिस्सा हुआ करता था। लेकिन 1954 में तत्कालीन सोवियत संघ के नेता खुर्सेव ने इसे यूक्रेन को तोहफे में दे दिया था। मार्च 2014 में रूस ने हमला कर वापस क्रीमिया को अपने में मिला लिया। इसके अलावा यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में पड़ने वाले दोनियस्क और लुहांस्क के इलाकों को 2014 में अलगाववादियों ने स्वतंत्र देश घोषित कर दिया था। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू करने से पहले ही 15 फरवरी को रूसी संसद ने व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन के इन इलाकों को अलग देश का मान्यता देने का प्रस्ताव भेजा और 21 फरवरी को पुतिन ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के दावे के अनुसार रूसी सेना ने यूक्रेन के सुरक्षा बलों द्वारा छोड़े गए एक बेस पर सैन्य उपकरण, तोपखाने और ईंधन डिपो के साथ दक्षिण-पूर्व यूक्रेन में बर्दियांस्क के बाहरी इलाके पर कब्जा कर लिया है।

यूक्रेन संकट-मारियुपोल में फंसे लोगों को निकालने के लिए कोई मानवीय गलियारा नहीं : मेयर

कीव ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के मारियुपोल शहर में विदेशी नागरिक फंसे हैं। शहर के मेयर वादिम बॉयचेंको ने कहा कि मारियुपोल को रूसी कब्जे वाले बल लगातार 8 दिनों से घेरे हुए हैं। शहर में बिजली, पानी या संचार सुविधा नहीं है। मारियुपोल नागरिकों को निकालने और मानवीय सहायता लाने के लिए गलियारे के लिए तीन दिनों से इंतजार कर रहा है। उक्रेइंस्का प्रावदा के मुताबिक, बॉयचेंको ने शिकायत की कि जैसे ही शहर के अधिकारियों ने निकासी को व्यवस्थित करने का प्रयास किया, कब्जे वाले अपने उद्देश्यों के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, हम उन स्थानों पर लोगों को इकट्ठा कर रहे हैं, जहां गोलाबारी शुरू होने से पहले हम जगह खाली करने के लिए तैयार हैं। सबसे बुरी बात यह है कि इस समय रूसी सैनिकों का सामरिक पुनर्गठन शुरू हो रहा है ताकि वे अधिक लाभप्रद जगहों पर कब्जा कर सकें। मेयर ने कहा, उदाहरण के लिए कल जब शहर की रक्षा करने वाले हमारे नायकों ने गलियारा खोला और उन्होंने वास्तव में शहर का प्रवेश द्वार खोला, रूसियों ने मारियुपोल पर एक टैंक अग्रिम शुरू किया। नतीजतन, लड़ाई छिड़ गई और निकासी रद्द कर दी गई। रूसी सैनिकों की कार्रवाइयों के कारण, जापोरिज़िया से एक मानवीय काफिला भी शहर में प्रवेश करने में असमर्थ था। इससे पहले, अस्थायी रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों की एकीकरण मंत्री इरीना वीरेशचुक ने कहा था कि रूसी सेना ने मारियुपोल और वोल्नोवाखा से निकासी मार्गों पर गोलीबारी जारी रखी थी। उक्रेइंस्का प्रावदा ने बताया कि मेलिटोपोल के टीवी और रेडियो संचार टावर वर्तमान में रूसी सेना के नियंत्रण में हैं।

मेलिटोपोल के मेयर इवान फेडोरोव ने कहा, शहर के टीवी टॉवर और रेडियो संचार टावर मेलिटोपोल शहर के कब्जेदारों के नियंत्रण में हैं। यही कारण है कि जानकारी न तो रेडियो स्टेशनों के माध्यम से प्रसारित की जाती है, न ही हमारी वीडियो सामग्री मेरे या शहर की कार्यकारी समिति के नियंत्रण में है।

भारत पर सीएएटीएसए पाबंदियां लगाना बड़ी मूर्खता होगी : टेड क्रूज

वॉशिंगटन ।

भारत-रूस संबंधों की निकटता पर अमेरिका की वक्र दृष्टि के बीच यहां के रिपब्लिकन पार्टी के नेता और प्रभावशाली सांसद टेड क्रूज ने देश के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से कहा कि रूस से एस-400 मिसाइल खरीदने के लिए भारत पर 'अमेरिकी विरोधियों से प्रतिबंधों के माध्यम से मुकाबला करने का अधिनियम' (सीएएटीएसए) के तहत कोई भी प्रतिबंध लगाना असाधारण मूर्खता होगी। क्रूज ने कहा, इस प्रकार की रिपोर्ट मिली हैं कि बाइडन प्रशासन पृथ्वी पर सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के खिलाफ सीएएटीएसए प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। मुझे लगता है कि यह फैसला असाधारण रूप से मूर्खतापूर्ण होगा। क्रूज ने पिछले सप्ताह कहा था कि बाईडेन प्रशासन में भारत और अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उन्होंने कहा, भारत कई क्षेत्रों में एक अहम साझेदार है और हाल के कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका का गठबंधन और गहरा एवं मजबूत हुआ है, लेकिन बाइडन प्रशासन में यह पीछे की ओर जा रहा है।

क्रूज ने यूक्रेन में रूस के आक्रमण के निंदा प्रस्ताव पर मतदान के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत की अनुपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश नहीं है, जिसने ऐसा किया है। क्रूज ने सीनेट की विदेश मामलों की समिति के समक्ष एक अन्य सुनवाई के दौरान कहा कि पिछले एक साल में बाइडेन प्रशासन के तहत भारत के साथ संबंध 'काफी खराब' हुए हैं, जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के हाल में उपस्थित नहीं रहने से जाहिर है।

युद्धग्रस्त यूक्रेन के शवग्रह में रखा गया कर्नाटक के छात्र का शवः सीएम बोम्मई

बेंगलुरु ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में भारतीय छात्र अभी भी फंसे हैं वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को कहा कि अधिकारियों ने भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर का शव बरामद किया है, जो यूक्रेन में रूसी गोलाबारी में मारे गए थे। उन्होंने कहा कि मैंने इस संबंध में विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की है। उन्होंने सूचित किया है कि शव को शवगृह में रख दिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जैसे ही गोलाबारी बंद हो जाती है, इसे भारत वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, दूतावास के अधिकारियों ने हमें यह भी बताया है कि वे शवगृह अधिकारियों के संपर्क में हैं जहां शव रखा गया है। 1 मार्च को महाशिवरात्रि के दिन रूसी गोलाबारी में नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर की मौत हो गई थी। वह सुबह-सुबह अपने बंकर से भोजन की तलाश में निकला था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन के पिता को फोन कर सांत्वना दी थी। नवीन के पिता शेखरप्पा ने प्रधान मंत्री से यूक्रेन में फंसे अन्य छात्रों के सुरक्षित मार्ग की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। नवीन की मौत ने भारत में चिकित्सा शिक्षा की लागत पर भी सवाल खड़े किए हैं और कर्नाटक में विपक्षी दल इस संबंध में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने नवीन के परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया है।

युद्ध छिड़ने के बाद से कर्नाटक के 500 से अधिक छात्र यूक्रेन से स्वदेश लौट चुके हैं। कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के नोडल अधिकारी और आयुक्त मनोज राजन ने कहा है कि राज्य के 142 छात्र अभी भी युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन संकट- फ्रांसीसी राष्ट्रपति बोले- रूस के बिना स्थाई शांति की बात करना नामुमकिन

नई दिल्ली । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन बम धमाकों से बेजार है। रूस के हमले को 13वां दिन है। दो बार की बैठक बेनतीजा रहने के बाद सोमवार को दोनों देशों के बीच फिर से तीसरे दौर की बातचीत हुई, लेकिन उसका भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिला। हालांकि, इस बैठक में शहरों में फंसे नागरिकों के लिए मानवीय गलियारा बनाने पर कुछ सकारात्मक चर्चा जरूर हुई है। बता दें कि आज फिर से ह्यूमन कॉरिडोर खोला जाएगा। उधर, संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने बताया कि रूस के हमले के बाद से अब तक 17 लाख से ज्यादा यूक्रेनी देश छोड़ कर मध्य यूरोप पहुंचे हैं। उधर, संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने बताया कि रूस के हमले के बाद से अब तक 17 लाख से ज्यादा यूक्रेनी देश छोड़ कर मध्य यूरोप पहुंचे हैं। जंग के बीच कीव में रूसी सेना के बड़े हमले का अलर्ट है। यूक्रेन का कहना है कि रूस का वैगनर दस्ता कीव में घुस सकता है। वैगनर दस्ते में भाड़े के लड़ाके शामिल हैं।

पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति यूनोकोविच बोले- जेलेंस्की को शांति समझौता कर रक्तपात रोकना चाहिए

कीव । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के बम धमाकों से कराह रहा है ऐसे में यहां के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यूनोकोविच ने मौजूदा राष्ट्रपति जेलेंस्की को घेरा है। यूनोकोविच ने कहा कि जेलेंस्की को किसी भी तरह शांति समझौता करके इस रक्तपात को रोकना चाहिए। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की तरफ से बताया गया है कि यूक्रेन से भागे रिफ्यूजियों की संख्या आज या कल में 20 लाख पहुंच सकती है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने रूस-यूक्रेन की जंग के बीच बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रूस और रूस के लोगों का सम्मान करना जरूरी है। वह बोले कि अगर रूस दुनिया की महान वास्तुकला का हिस्सा नहीं होगा तो स्थाई शांति की बात करना असंभव होगा। बता दें कि अबतक जंग के मसले पर फ्रांस का रवैया तल्ख था। लेकिन अब उसमें नरमी दिख रही है। बता दें कि अबतक जंग के मसले पर फ्रांस का रवैया तल्ख था। लेकिन अब उसमें नरमी दिख रही है। यूक्रेन का दावा है कि रूसी मिसाइल ने जायटोमायर में एक और स्कूल को तबाह कर दिया है। हालांकि, स्कूल बंद था तो कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। दावा है कि रूस ने अब तक 202 स्कूल, 34 हॉस्पिटल, 1500 रिहायशी बिल्डिंग तबाह कर दिए हैं।

आतंकवादियों को कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा, पाक पीएम ने दोहराया संकल्प

इस्लामाबाद । आतंकवादियों को शरण देने के लिए दुनियाभर में बदनाम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि ऐसी अवांक्षनीय घटनाओं को कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अदालतों में आतंकवाद के मामलों को जल्द से जल्द निपटाने का आग्रह किया। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में एक शिया मस्जिद में आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए हमले में 63 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे, जिसके बाद खान का ये बयान सामने आया है। खान ने राष्ट्रीय कार्ययोजना (एनएपी) की शीर्ष समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसे देश से आतंकवाद को खत्म करने के लिए 2015 में गठित किया गया था। बैठक में सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और कई शीर्ष मंत्री शामिल हुए। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, खान ने कहा कि सरकार की नीति आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की है और आतंकवादी तत्वों के सामने एक मिसाल पेश करने के लिए अदालतों में त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाने पर भी जोर दिया।

लंदन के आलीशान घर पर बरकरार रहेगा माल्या परिवार का कब्जा

लंदन । विजय माल्या का परिवार लंदन में अपने आलीशान घर पर कब्जा बरकरार रख सकेगा। ब्रिटेन की एक अदालत ने अपने निर्णय में व्यवस्था दी है कि एक पारिवारिक ट्रस्ट कंपनी द्वारा ऋण का पुनः वित्तपोषण स्वीकार्य लेनदेन है। माल्या परिवार के ट्रस्ट से जुड़ी ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड की कंपनी रोज कैपिटल वेंचर्स (आरसीवी) ने लंदन हाई कोर्ट में इस बाबत अर्जी दाखिल की थी जिस पर गत शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस ट्रस्ट की मध्य लंदन में कॉर्नवैल टेरेस प्रोपर्टी है। जज सिमोन रेनी क्यूसी ने व्यवस्था दी कि पुनः वित्तपोषण (रीफाइनेंसिंग) एक स्वीकार्य लेनदेन है जिसका आशय लंदन की एक प्रमुख संपत्ति में निवेश करने से है। न्यायाधीश ने कहा प्रस्तावित लेनदेन उचित है।

खारकीव के पास यूक्रेनी सैनिकों की जवाबी कार्यवाई में शीर्ष रूसी जनरल की मौत

कीव । यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के पास लड़ाई में यूक्रेनी सैनिकों ने शीर्ष रूसी जनरल को मार गिराया है। यह जानकारी यूक्रेन के रक्षा अधिकारियों ने दी। यूक्रेन के रक्षा खुफिया विभाग के अधिकारियों ने मारे गए जनरल की पहचान विटाली गेरासिमोव के रूप में की, जो रूस के केंद्रीय सैन्य जिले की 41वीं सेना के एक प्रमुख जनरल, चीफ ऑफ स्टाफ और इससे पहले डिप्टी कमांडर थे। सोमवार रात एक बयान में, यूक्रेन के रक्षा खुफिया विभाग के अधिकारियों ने मारे गए जनरल की पहचान विटाली गेरासिमोव के रूप में की, जो रूस के केंद्रीय सैन्य जिले की 41वीं सेना के एक प्रमुख जनरल, चीफ ऑफ स्टाफ और पहले डिप्टी कमांडर थे। बयान के अनुसार, गेरासिमोव ने अगस्त 1999 से अप्रैल 2000 तक हुए दूसरे चेचन युद्ध और सीरिया में रूसी सैन्य अभियान में भाग लिया था। जनरल को क्रीमिया युद्ध के दौरान पदक देकर सम्मानित किया गया था। डिफेंस इंटेलिजेंस ने कहा आंकड़े भी कब्जे वाले की सेना में संचार के साथ और उनकी टूटी हुई यूनिटों को निकालने के साथ महत्वपूर्ण समस्याओं का संकेत देते हैं। बयान के अनुसार रूसी सेना के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मारे गए जबकि बड़ी संख्या में घायल हुए हैं।

रिजाइन करो या बेदखल होने के लिए तैयार रहो, बिलावल ने इमरान को दिया 24 घंटों का अल्टीमेटम

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने प्रधानमंत्री इमरान खान को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। बिलावल ने कहा कि इमरान इस्तीफा दें और विधानसभा भंग करें नहीं तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से बेदखल होने के लिए तैयार रहें। लालामुसा में अवामी मार्च के समर्थकों को संबोधित करते हुए पीपीपी नेता ने कहा पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार के साथ इमरान खान को सभी लोकतांत्रिक तरीकों से पैकिंग के लिए भेजा जाएगा। पीपीपी नेता ने कहा चुने हुए (इमरान खान) इतने डरे हुए हैं कि उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों को गाली देना शुरू कर दिया है। इमरान खान सरकार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बीच कथित सांठगांठ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा देश ने सरकार की आर्थिक नीतियों को खारिज कर दिया है और पीटीआई आईएमएफ का विरोध कर रहा है। देश में आर्थिक संकट के लिए कठपुतली प्रधानमंत्री को दोषी ठहराते हुए बिलावल ने कहा आम आदमी महंगाई की सुनामी में डूबता जा रहा है। पीपीपी नेता ने कहा इमरान सरकार ने कर्ज के लिए भीख मांगी, जो पहले कभी हासिल किए गए ऋण से तीन गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि लोग अब उनकी भूलों का बोझ नहीं उठा सकते। बिलावल ने कहा पिंडी के शेख राशिद अहमद ने कहा है कि इमरान खान बर्खास्त होने के बाद घर पर नहीं बैठेंगे। वह सही हैं, क्योंकि इमरान खान सलाखों के पीछे होंगे। उन्हें विदेशी फंडिंग मामले में जवाबदेह ठहराया जाएगा। जैसा कि पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है, विपक्षी दलों ने इमरान सरकार की ओर से घोषित राहत को अपर्याप्त बताया है।

वे लगातार पाकिस्तानी प्रधानमंत्री पर दबाव बना रहे हैं। विपक्षी दल इमरान को सत्ता से बेदखल करने के लिए उनकी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर आपसी नफरत को हवा दे रहे हैं। हालांकि, इमरान ने इस प्रस्ताव के विफल होने पर विश्वास जताया है ।

रूसी विमानों ने पूर्वी और मध्य यूक्रेन के शहरों में रातभर लगातार की बमबारी

कीव ।

रूसी विमानों ने रातभर पूर्वी और मध्य यूक्रेन के शहरों पर बम गिराए। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि कीव के उपनगरों में भी गोलाबारी हुई। क्षेत्रीय नेता दमित्रो झिवित्स्की ने बताया कि रूसी सीमा के पास कीव के पूर्व में सूमी और ओखतिरका शहरों में रिहायशी इमारतों पर बम गिराने और एक परमाणु संयंत्र नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों की मौत हुई है और कुछ घायल भी हुए हैं। कीव के पश्चिम में झितोमिर और पड़ोसी शहर चेर्नियाखीव में तेल डिपो पर भी बम गिराए गए। कीव के उपनगर बुचा में मेयर ने बताया कि भारी गोलाबारी हुई है। मेयर अनातोल फेदोरुक ने कहा, हम भारी हथियारों से दिन-रात हो रही गोलाबारी के कारण शवों को एकत्रित भी नहीं कर पाए। शहर की सड़कों पर कुत्ते शवों को खींच रहे हैं। यह एक दुः स्वप्न है। यूक्रेनी सरकार सूमी, झितोमिर, खारकीव, मारियुपोल और बुचा समेत कीव के उपनगरों से लोगों को सुरक्षित जाने देने के लिए मानवीय गलियारा खोलने की मांग कर रही है। लवीव के मेयर ने कहा कि पश्चिमी यूक्रेन में यह शहर भोजन और हजारों लोगों को शरण देने के लिए जूझ रहा है जो देश के युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भागकर यहां आए हैं। मेयर आंद्रे सदोवी ने कहा, ''हमें वाकई सहयोग की जरूरत है अपने घरों से विस्थापित हुए 2,00,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक अब लवीव में हैं, जिससे उनके रहने के लिए खेल के सभागार, स्कूल, अस्पताल और गिरजाघर की इमारतें कम पड़ रही हैं। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय रहे ऐतिहासिक शहर में युद्ध से पहले 7,00,000 लोग रहते थे। मेयर ने कहा कि शहर को रसोई से लैस बड़े टेंट्स की आवश्यकता है, ताकि भोजन पकाया जा सके। अगर रूसी सेना के हमलों वाले शहरों से मानवीय गलियारा खोला जाता है,तब हजारों और लोग आ सकते हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों के दूतावास हमले से पहले कीव से लवीव स्थानांतरित हो गए थे। लवीव पोलैंड की सीमा पार करने वाले लोगों के लिए मुख्य ट्रांजिट केंद्र है। अब विदेश में रह रहे यूक्रेन के 17 लाख से अधिक लोग इस शहर से होकर गुजरे थे। यूक्रेन के सबसे बड़े शहर खारकीव के आसपास लड़ाई में रूस का एक जनरल मारा गया। रूसी सेना हमला शुरु होने के बाद से ही इस शहर पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने इसकी जानकारी दी।

उसने मृतक जनरल की पहचान मेजर जनरल विताली गेरासिमोव (45) के रूप में की और कहा कि उसने सीरिया और चेचन्या में रूसी सेना के साथ लड़ाई में भाग लिया और 2014 में क्रीमिया पर कब्जा जमाने के दौरान भी लड़ाई का हिस्सा रहे।

आलोचनाओं के चलते ब्रिटेन के पीएम जॉनसन ने रूस के खिलाफ पाबंदियां बढ़ाई

लंदन । लगातार आलोचनाओं के चलते ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन ने रूस के खिलाफ पाबंदियां बढ़ाने की तैयारी कर ली है। दरअसल, सांसद रूस पर प्रतिबंधों को सख्त करने और ब्रिटिश अर्थव्यवस्था से कमाए गए धन का संपूर्ण विवरण मांगने और उस पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से सोमवार को एक विधेयक पारित करने की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि आर्थिक अपराध विधेयक ब्रिटिश अधिकारियों को कानून के पूर्ण समर्थन के साथ, संदेह या कानूनी चुनौती से परे ब्रिटेन में पुतिन के सहयोगियों (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) तक पहुंच उपलब्ध कराएगा। जॉनसन ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और नीदरलैंड के नेता मार्क रूट से सोमवार को मुलाकात की ताकि आक्रमण के खिलाफ पश्चिम की प्रतिक्रिया को सख्त करने पर चर्चा की जा सके। आलोचकों का हालांकि कहना है कि ब्रिटिश सरकार देर से ही सही लेकिन अपनी खड़ी की गई समस्याओं को दुरुस्त करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी राजनेताओं और भ्रष्टाचार विरोधी प्रचारकों का कहना है कि जॉनसन के 'कंजरवेटिव्स' ने वर्षों से ब्रिटेन की संपत्तियों, बैंकों और व्यवसायों में गलत तरीके से पैसा कमाने की अनुमति दी है, जिससे लंदन को गलत तरीके से अर्जित धन के लिए सफाई की मशीन में बदल दिया गया है। जॉनसन ने बार-बार दावा किया है कि यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर पुतिन को दंडित करने के लिए ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। ब्रिटेन ने कई रूसी बैंकों और व्यवसायों पर प्रतिबंध लगाए हैं, सरकार का कहना है कि 250 अरब पाउंड (33 करोड़ डॉलर) से अधिक की रूसी आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया है।

आग्रह करने के बाद भी भारतीय छात्रों को निकालने के लिए सुरक्षित गलियारा नहीं

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने बताया

जिनेवा ।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि वह बेहद चिंतित है, कि रूस और यूक्रेन दोनों से बार-बार आग्रह करने के बावजूद, सूमी में फंसे भारतीय छात्रों को निकालने के लिए सुरक्षित गलियारा नहीं बन सका है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थानीय प्रतिनिधि एवं राजदूत टी.एस. तिरुमूर्ति ने यक्रेन की मानवीय स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, '' भारत हर प्रकार की शत्रुता को समाप्त करने का लगातार आह्वान करता रहा है। तिरुमूर्ति ने इस पर जोर दिया कि यह महत्वपूर्ण है, कि कोई भी मानवीय कार्रवाई हमेशा तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित हो। उन्होंने कहा, इसमें राजनीति नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने सभी निर्दोष नागरिकों, भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकालने के लिए सुरक्षित तथा निर्बाध मार्ग मुहैया कराने की मांग की है। तिरुमूर्ति ने कहा, हम बेहद चिंतित हैं कि दोनों पक्षों से हमारे आग्रह के बावजूद, सूमी में फंसे हमारे छात्रों के लिए सुरक्षित गलियारा नहीं बन सके। उन्होंने कहा कि भारत अभी तक यूक्रेन से अपने 20,000 से अधिक नागरिकों की सुरक्षित वापसी कराने में कामयाब रहा है। तिरुमूर्ति ने कहा, हमने अन्य देशों के उन लोगों की भी उनके देश पहुंचने में मदद की, जिन्होंने इस संबंध में भारत से संपर्क किया था। आने वाले दिनों में भी हम लोगों की मदद करते रहूंगा। भारतीय राजदूत ने परिषद को बताया कि भारतीय नागरिकों को घर लाने के लिए 80 से अधिक निकासी उड़ानों का संचालन किया गया। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन और उसके पड़ोसी देशों के अधिकारियों द्वारा नागरिकों की वापसी सुविधाजनक बनाने में प्रदान की गई सहायता की सराहना करते हैं। सूमी में लगभग 700 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं, जो पिछले कुछ दिनों से रूसी और यूक्रेनी सैनिकों के बीच भीषण लड़ाई के साक्षी बन रहे हैं। लेकिन भारी गोलाबारी तथा हवाई हमलों के कारण इसमें अभी तक बहुत कम सफलता मिली है। युद्धग्रस्त यूक्रेन से अपने नागरिकों को निकालने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन गंगा शुरू किया है, जिसके तहत वह फंसे हुए भारतीयों (जिनमें ज्यादातर छात्र हैं) को यूक्रेन की पश्चिमी सीमाओं से लगे देशों से स्वदेश ला रहा है। हालांकि, यूक्रेन के पूर्वी हिस्से से लोगों को निकालना चुनौतीपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत वासिली नेबेंजिया ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया था,कि यूक्रेन के नागरिकों ने खारकीव और सूमी में 3,700 से अधिक भारतीय नागरिकों को ''जबरन'' रोक रखा है। भारतीयों को वहां से निकालने के लिए रूस से बसें जाने को तैयार हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने ट्वीट किया था कि मारियुपोल, खारकीव और सूमी के साथ-साथ संघर्षग्रस्त अन्य सभी स्थानों से नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोवा में त्रिशंकु एग्जिट पोल के बाद सीएम प्रमोद सावंत ने पीएम मोदी से की भेंट

पणजी ।

पांच विधानसभा चुनाव के बाद परिणाम आने से पहले एग्जिट पोल के नतीजों को लेकर सियासी घमासान के बीच गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के लिए दिल्ली में हैं। गोवा में त्रिशंकु जनादेश की भविष्यवाणी के एग्जिट पोल के साथ बैठक महत्वपूर्ण है, जिसमें 14 फरवरी को मतदान हुआ था। सूत्रों का कहना है कि सावंत गोवा में सत्ता बनाए रखने की पार्टी की संभावनाओं के बारे में प्रधानमंत्री को जानकारी दी है। पीएम से मुलाकात के बात प्रोमद सावंत ने कहा कि गोवा में बीजेपी 20/40 से ज्यादा सीटें जीतेगी। ज्यादातर एग्जिट पोल बीजेपी की जीत दिखाते हैं। हम स्वतंत्र और क्षेत्रीय दलों के समर्थन से सरकार बनाएंगे। केंद्रीय नेतृत्व उनकी मांगों को लेकर उनसे बातचीत करेगा, जरूरत पड़ने पर एमजीपी का समर्थन लिया जाएगा। प्रमोद सावंत ने कहा कि मैंने आज पीएम मोदी से मुलाकात की, चुनावी चर्चा की। हम अधिकतम सीटों के साथ सरकार बनाएंगे... मुझे लगता है कि मुझे एक बार फिर पार्टी (गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में) की सेवा करने का मौका दिया जाएगा। बीजेपी ने ऐसा कहा है (सीएम के रूप में उनकी उम्मीदवारी), यह निश्चित रूप से होगा। एक एग्जिट पोल के अनुसार गोवा में कांग्रेस की सरकार बन रही है। बीजेपी के साथ कांग्रेस की टफ फाइट दिखाई दे रही है। बीजेपी के खाते में 14 से 18 सीटें मिल सकती है। एमजेपी के हिस्से में 2 से 5 औरअन्य को 0 से 4 सीटें प्राप्त हो सकती है। बीजेपी के खाते में 14 से 18 सीटें मिल सकती है। एमजेपी के हिस्से में 2 से 5 औरअन्य को 0 से 4 सीटें प्राप्त हो सकती है। सी वोटर के अनुमान के अनुसार बीजेपी को गोवा में 13 से 17 सीटें मिलती दिखाई दे रही है।

परिवारवाद के मुक्त नहीं बसपा, मायावती ने भतीजे आकाश को दी अहम जिम्मेदारी

लखनऊ ।

सियासत में परिवारवाद को लेकर छिड़ी बहस के बीच उत्तर प्रदेश में नेता अपनी पार्टियों में भाई-भतीजावाद को जमकर बढ़ावा दे रहे हैं। फैमिली क्लब में शामिल होने वाली नेता बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती हैं, जिन्होंने अपने भतीजे आकाश को बसपा के एकमात्र राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में नियुक्त किया है। आकाश पहले भी रामजी गौतम के साथ पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक थे, लेकिन अब उन्हें अकेले ही जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि इस कदम से संकेत मिलता है कि उन्हें एक बड़ी भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है, जो कि संभवतः मायावती के उत्तराधिकारी के रूप में हो सकता है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, हालांकि पार्टी में उनकी भविष्य की भूमिका के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन इस कदम से यह स्पष्ट हो गया है कि वह एक विशेष पद पर हैं और अब उन्हें आगे एक बड़ी भूमिका के लिए तैयार किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि आकाश को जानबूझकर चुनाव प्रचार से इसलिए दूर रखा गया क्योंकि मायावती नहीं चाहती थीं कि वह ऐसे समय में पदार्पण करें जब पार्टी सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थी। हालांकि, आकाश कई अन्य राज्यों में पार्टी की बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं, जहां उनकी भूमिका को बेहतर ढंग से परिभाषित किया गया था। बसपा अब अपना ध्यान अन्य राज्यों पर केंद्रित करेगी जहां 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले विधानसभा चुनाव होने हैं। मायावती ने देश को सात सेक्टरों में बांटा है और पार्टी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सेक्टर कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। सेक्टर 1 में यूपी अकेला खड़ा है, जिसके लिए अभी तक समन्वयक की नियुक्ति नहीं हुई है। सेक्टर 2 में उन्होंने गुजरात, ओडिशा, झारखंड, बिहार, बंगाल, दमन और दीव को रखा है और इसकी निगरानी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य धर्मवीर अशोक करेंगे। सेक्टर 3 में कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश हैं, जिनकी निगरानी पूर्व राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम करेंगे। पार्टी सांसद सिद्धार्थ अशोक को सेक्टर 4 के लिए समन्वयक नियुक्त किया गया है जिसमें दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र शामिल हैं। उत्तराखंड, जहां मतदान अभी संपन्न हुआ है।

यूक्रेन में फंसे हुए 600 भारतीय छात्रों को लेकर चिंताएं

नई दिल्ली । भारत ने सूमी में फंसे छात्रों के न निकल पाने को लेकर संयुक्त राष्ट्र में चिंता व्यक्त की है. रूस ने एक बार फिर उन छात्रों को निकालने के लिए युद्ध विराम लागू करने और एक गलियारा बनाने का आश्वासन दिया है।सूमी यूक्रेन के पूर्वोत्तर का शहर है जहां कम से कम 600 भारतीय छात्र अभी भी फंसे हुए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्टों में फंसे हुए छात्रों की संख्या को 800 बताया जा रहा है। रूस की सीमा से सिर्फ 50 किलोमीटर दूर स्थित इस शहर में भी रूस के हमले के बाद से लगातार गोलीबारी और बमबारी हो रही है। वहां फंसे छात्रों को निकालने के सरकार के सभी प्रयास अभी तक असफल रहे हैं। शनिवार पांच मार्च को तो छात्र इतने हताश हो गए थे कि उन्होंने रूस की सीमा तक युद्ध क्षेत्र के बीच से पैदल जाने का फैसला ले लिया था। क्या वाकई बुरा है भारतीय छात्रों का पढ़ने विदेश जाना? लेकिन फिर भारत सरकार ने उनसे तुरंत संपर्क किया और उन्हें ऐसा न करने के लिए कहा। सरकार ने छात्रों को वहां से निकालने के लिए बसें भेजने का वादा किया सूमी समेत चार शहरों में युद्ध विराम की घोषणा के बाद ही बसें वहां पहुंची भीं। मानवीय गलियारा क्या है और कैसे काम करता है छात्र बसों में चढ़ चुके थे और बसें बस निकलने ही वाली थीं लेकिन तभी खबर मिली कि उनके प्रस्तावित रास्ते में ही कहीं पर युद्ध विराम का उल्लंघन हुआ है। एक घंटा इंतजार करने के बाद अभियान रद्द कर दिया गया और छात्रों को वापस हॉस्टल भेजने का आदेश दे दिया गया।

माता वैष्णो देवी के नाम पर हुआ चॉपर बुकिंग स्कैम, श्राइन बोर्ड ने दर्ज कराया केस

जम्मू । माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने एक फर्जी चॉपर बुकिंग वेबसाइट को लेकर एफआईआर दर्ज करवाई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साइबर डिपार्टमेंट में यह केस दर्ज करवाया गया है। आरोप है कि फर्जी वेबसाइट के जरिए चॉपर बुकिंग का झांसा देकर श्रद्धालुओं को लूटा जा रहा था। श्री माता वैष्णो देवी श्रीइन बोर्ड के सीईओ रमेश कुमार ने कहा कि बहुत सारे यात्रियों ने शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु बता रहे थे कि फर्जी वेबसाइट के जरिए टिकट बुक करके लोगों से पैसे ऐठे जा रहे थे। कुमार ने कहा, लोगों ने फर्जी वेबसाइट को लेकर शिकायत की। यह बुकिंग केवल हमारी आधिकारिक वेबसाइट या फोन ऐप्लिकेशन के जरिए ही की जा सकती है। इसके अलावा कहीं भी चॉपर के टिकट नहीं मिलते हैं। उन्होंने कहा, मैंने गूगल से भी ऐसी वेबसाइट पर रोक लगाने केलिए कहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस का साइबर विभाग इस मामले की जांच कर रहा है। वहीं लोगों को इस बारे में जानकारी दी जा रही है कि वे ठगों के जाल में न फंसें। चॉपर बुकिंग के लिए किसी भी एजेंट को अधिकार नहीं दिए गए हैं। एक श्रद्धालु ने कहा, जब मैं 6 लोगों के लिए आधिकारिक वेबसाइट से टिकट नहीं बुक कर पाया तो वहां एक और लिंक दिखायी देने लगा। उस लिंक के जरिए मैं दूसरे पेज पर गया। वहां मुझसे इंश्योरेंस मनी भी मांगी गई।

भारत में नहीं आएगी अब कोरोना की चौथी लहर : एक्सपर्ट

नई दिल्ली ।

भारत में कोरोना वायरस के केसों में लगातार कमी का दौर देखने को मिल रहा है और एक्टिव मामलों की संख्या 50 हजार से कम हो गई है। इस बीच महामारी विज्ञानी डॉ. टी जैकब जॉन ने भारत के लिए बड़ी राहत का अनुमान लगाया है। उनका कहना है कि देश में तीसरी लहर खत्म होने के दौर में है और अब चौथी वेव नहीं आएगी। उन्होंने कहा, %मुझे पक्का भरोसा है कि भारत में कोरोना की चौथी लहर नहीं आएगी। हालांकि किसी नए वैरिएंट के विस्फोट पर ऐसा कुछ हो सकता है, लेकिन फिलहाल ऐसी कोई संभावना नहीं दिखती है। मंगलवार को नए केसों का जो आंकड़ा आया है, उसके मुताबिक बीते एक दिन में 3,993 नए केस मिले हैं। यह आंकड़ा पिछले 662 दिनों में सबसे कम है। इस साल 21 जनवरी के बाद से ही कोरोना के केसों में लगातार गिरावट का दौर दिख रहा है। तब देश में कोरोना के कुल 3,47,254 थे, जो अब तेजी से कम होते हुए 50 हजार से भी कम हो गए हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के वायरोलॉजी सेंटर के पूर्व निदेशक डॉ. जॉन ने कहा कि तीसरी लहर कमजोर हो रही है। अब साफ है कि यह पैंडेमिक अब एन्डेमिक में तब्दील हो गया है। डॉ.

जॉन ने कहा, मैं मानता हूं कि यह महामारी अब कमजोर हो गई है और एनडेमिक में तब्दील हो गई। बीते 4 सप्ताह से लगातार कोरोना के केसों में गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पूरे देश में कोरोना के केसों में गिरावट दिख रही है, उससे आने वाले एक सप्ताह में और स्थिति बदलेगी। उन्होंने कहा कि एनडेमिक वह स्थिति है, जब लोग वायरस के साथ जीना सीख जाते हैं और उससे निपटने के लिए उनकी शरीर में एंटीबॉडी डिवेलप हो जाती है। यह पूछे जाने पर कि कई लोगों ने तीसरी लहर के भी न आने का अनुमान जताया था, लेकिन वह गलत साबित हुआ।

वीवीपैट सत्यापन की मांग वाली पीआईएल पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी

नई दिल्ली ।

देश की सर्वोच्च आजालत ने मंगलवार को पांच राज्यों में मतगणना शुरू होने से एक दिन पहले एक जनहित याचिका (पीआएल) पर सुनवाई के लिए राजी हो गया, जिसमें मतगणना की शुरूआत में वीवीपैट सत्यापन की मांग की गई थी, न कि मतगणना के बाद। वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ और न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और हिमा कोहली की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया। पीठ ने अरोड़ा से पूछा गिनती परसों है और उन्होंने अब याचिका का जिक्र किया है? अरोड़ा ने बुधवार को याचिका पर सुनवाई के लिए दबाव डाला, क्योंकि मतगणना परसों है। पीठ ने उसे याचिका के बारे में चुनाव आयोग को सूचित करने के लिए कहा और अदालत बुधवार को मामले की जांच करेगी। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, पीठ ने 2019 के दिशानिर्देशों की ओर इशारा किया। याचिका में प्रति निर्वाचन क्षेत्र में एक बूथ के बजाय पांच बूथों पर ईवीएम के वीवीपैट सत्यापन की मांग की गई है, जो कि मौजूदा प्रथा है। अप्रैल 2019 में, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को वोटर-वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों को एक विधानसभा क्षेत्र से बढ़ाकर पांच करने का आदेश दिया।

आरजेडी विधायकों ने विधानसभा परिसर में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

बिहार विधानसभा परिसर में आरजेडी विधायकों ने प्रदर्शन किया। पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान विधायक भाई वीरेंद्र, आलोक मेहता, राहुल तिवारी, हरिशंकर यादव सहित अन्य विधायक मौजूद रहे। आलोक मेहता ने कहा कि राजस्थान सहित कई अन्य प्रदेशों में नई पेंशन योजना की जगह पुरानी पेंशन योजना लागू की जा रही है, कई जगह लागू हो चुकी है, बिहार में भी ऐसा होना चाहिए, नीतीश सरकार को इस मांग को जल्द पूरा करना चाहिए। भाई वीरेंद्र ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों का ख्याल नीतीश कुमार को रखना चाहिए। पुरानी पेंशन योजना लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाना चाहिए। ऐसा होने से 2005 के बाद जो लोग बहाल हुए हैं उनको रिटायर होने के बाद पेंशन मिलेगा। यह उनके लिए लाभदायक रहेगा। अगर नीतीश सरकार नहीं करेगी, तो बिहार में आरजेडी सरकार बनने पर सबसे पहला काम यही होगा। उन्होंने कहा कि इस मांग को राजद विधानसभा में उठाएगी। बिहार के उर्जा मंत्री व वरिष्ठ जदयू नेता बिजेंद्र यादव ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान आए एक प्रश्न के जवाब में कहा है कि सितंबर 2005 से नियुक्त सरकारी कर्मियों के लिए नई पेंशन व्यवस्था लागू है।

इसके लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने का कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। नई पेंशन व्यवस्था केंद्र सरकार के संकल्प के अनुरूप है। बता दें कि बिहार में पुरानी पेंशन योजना लागू करने को लेकर लगातार मांग उठती रही है। लेकर लगातार मांग उठती रही है। पिछले दिनों बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सदन में यह मामला उठाया था। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू किए जाने के बाद लगातार बिहार में भी आवाज उठने लगी है।

त्रिपुरा में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को मिलेगा 33प्रतिशत रिजर्वेशनः गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री ने त्रिपुरा की महिलाओं के लिए बड़ा एलान किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन के चार साल पूरे होने पर एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत पद रिजर्व रहेंगे। इसके अलावा शाह ने गठबंधन सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। शाह ने कहा कि अगरतला को रेल के जरिए देश के बाकी हिस्सों से जोड़ा गया है। त्रिपुरा में 542 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग बनाया गया है। राज्य में बीजेपी-आईपीएफटी सरकार ने राजनीतिक हिंसा पर पूर्ण विराम लगा दिया है। इस शासन काल में किसानों की आय दोगुनी हुई। अमित शाह ने कहा हमारे देश की आजादी को आजाद हुए 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। साथ ही खूबसूरत त्रिपुरा को भी बने हुए 50 साल पूरे हो गए हैं। 25 साल तक कम्युनिस्टों ने त्रिपुरा में राज किया था। 2015 में जब मैं यहां आया था, हर कोई यहां त्राहिमाम कर रहा था। 25 साल तक कम्युनिस्टों ने यहां गरीबों के नाम पर राज किया, लेकिन गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। भाजपा और अन्य दलों के 39 से ज्यादा कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। उस समय भाजपा ने तय किया था कि हम त्रिपुरा में एक आंदोलन खड़ा करेंगे। मुझे आज भी याद है जब पहली बार मैंने इंटीरियर त्रिपुरा में पहली बार चलो पलटाई का नारा दिया तो, लोगों में जो उत्साह दिखा उससे ही हमें पता चल गया था कि यहां परिवर्तन होने वाला है।÷ गृहमंत्री ने कहा, भाजपा सरकार बनने के 4 साल बनने के बाद मैं देख रहा हूं कि जो त्रिपुरा पहले ड्रग्स और नशे के कारोबार से त्रस्त था, वो त्रिपुरा आज आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। त्रिपुरा के हर गरीब के घर में बिजली पहुंचाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। हमारी सरकार ने त्रिपुरा में रोड और रेलवे से जुड़ी दर्जनों योजनाओं को पूरा किया है। त्रिपुरा की सरकारी नौकरियों में अब 33 प्रतिशत आरक्षण माताओं-बहनों को मिलने वाला है। त्रिपुरा के युवाओं के लिए नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के परिसर की आधारशिला हमाठ यहां रखने वाले हैं।आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है, महिलाओं के सशक्तिकरण का अभियान यहां शुरू होने वाला है। कुछ समय बाद ही आनंदपुर में सरकारी कार्यक्रम में मैं मुख्यमंत्री के महिला सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ करूंगा। उन्होंने कहा, ÷पहले यहां उग्रवाद, घुसपैठ, बंद, तनाव, भ्रष्टाचार की चर्चा होती थी। आज पूरे नॉर्थ ईस्ट को मोदी जी ने अष्ट लक्ष्मी का स्वरूप देकर विकास, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पोर्ट्स, इंवेस्टमेंट और जैविक खेती का बड़ा हब बनाने का काम किया है। जहां-जहां कम्युनिस्टों की सरकार होती है, वहां राजनीतिक विरोधियों के खून से होली खेली जाती है। लेकिन मैं गर्व से कह सकता हूं कि त्रिपुरा में राजनीतिक हत्याओं पर पूर्ण विराम लगाने का काम हमारे मुख्यमंत्री विप्लब देव ने किया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं अगले साल जब 5 साल हो जाएंगे तो उसके बाद एक मौका और दे दीजिए, हम त्रिपुरा को देश में नंबर एक राज्य बनाएंगे

रालोद प्रमुख बोले, एग्जिट पोल राय है मैं इससे सहमत नहीं, ईवीएम ही नतीजे बताएगी

लखनऊ । देश में पांच राज्यों में विधानसभा का चुनाव संपन्न हो चुका है। चुनावों के परिणाम 10 मार्च को आएंगे। लेकिन नतीजों से पहले आए तमाम एग्जिट पोल में बीजेपी की एक बार फिर वापसी को दर्शा रहे हैं। सर्वे रिपोर्ट आने के बाद राजनीतिक दलों की बेचैनी भी बढ़ गई है। इसके साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। इसी क्रम में यूपी को लेकर आए एग्जिट पोल को लेकर समाजवादी पार्टी की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल के नेता जयंत चौधरी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। एग्जिट पोल पर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि ये एक राय है, मैं इससे सहमत नहीं हूं। जो उत्साह हमने देखा, परिवर्तन लाने के लिए एक निश्चय लोगों में था। मुझे लगता है सर्वे से अलग नतीजे होंगे। गठबंधन की सरकार बनेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। जयंत चौधरी ने कहा कि एग्जिट पोल से अलग होंगे नतीजे, बनेगी गठबंधन की सरकार यूपी में डर का माहौल है, जो किसी मतदाता की पसंद के बारे में पूछे जाने पर उसके जवाब को प्रभावित कर सकता है। अगर किसी ने हमें (सपा-रालोद) वोट दिया है, तो वे डर के मारे बीजेपी कह कर खत्म कर देते हैं। जब तक ईवीएम खुल नहीं जाती, किसी को भी नतीजे का पता नहीं चल पाता है। एग्जिट पोल की एक प्रक्रिया होती है, पोलिंग बूथों पर किसी एक्जिट पोल के व्यक्ति को नहीं देखा... पता नहीं उन्हें अपना डेटा कहां से मिलता है। यह एक नजरिया है और मैं इससे सहमत नहीं हूं। मानसिक दबाव बनाने की युक्ति है। कई चैनलों के एग्जिट पोल के अनुसार उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 326 व 211 के बीच सीट और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन को 160 व 71 के बीच सीट मिलने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

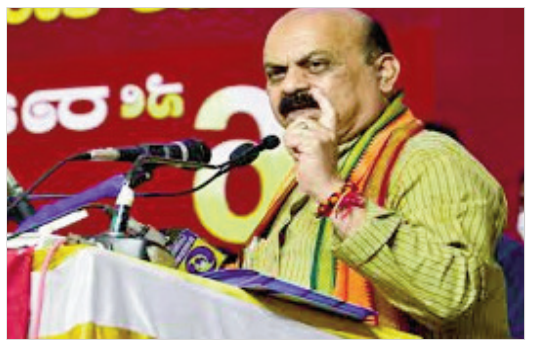

युद्धग्रस्त यूक्रेन के शवग्रह में रखा गया कर्नाटक के छात्र का शवः सीएम बोम्मई

बेंगलुरु । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में भारतीय छात्र अभी भी फंसे हैं वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को कहा कि अधिकारियों ने भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर का शव बरामद किया है, जो यूक्रेन में रूसी गोलाबारी में मारे गए थे। उन्होंने कहा कि मैंने इस संबंध में विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की है। उन्होंने सूचित किया है कि शव को शवगृह में रख दिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जैसे ही गोलाबारी बंद हो जाती है, इसे भारत वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, दूतावास के अधिकारियों ने हमें यह भी बताया है कि वे शवगृह अधिकारियों के संपर्क में हैं जहां शव रखा गया है। 1 मार्च को महाशिवरात्रि के दिन रूसी गोलाबारी में नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर की मौत हो गई थी। वह सुबह-सुबह अपने बंकर से भोजन की तलाश में निकला था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन के पिता को फोन कर सांत्वना दी थी। नवीन के पिता शेखरप्पा ने प्रधान मंत्री से यूक्रेन में फंसे अन्य छात्रों के सुरक्षित मार्ग की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। नवीन की मौत ने भारत में चिकित्सा शिक्षा की लागत पर भी सवाल खड़े किए हैं और कर्नाटक में विपक्षी दल इस संबंध में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने नवीन के परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया है। युद्ध छिड़ने के बाद से कर्नाटक के 500 से अधिक छात्र यूक्रेन से स्वदेश लौट चुके हैं। कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के नोडल अधिकारी और आयुक्त मनोज राजन ने कहा है कि राज्य के 142 छात्र अभी भी युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे हुए हैं। छात्रों का सबसे बड़ा जत्था गुरुवार को लौटा है।

मंत्री पिता की इच्छा विरुद्ध प्रेम विवाह करने वाली बेटी ने पुलिस कमिश्नर से लगाई सुरक्षा की गुहार

चेन्नई । समाज कितना भी प्रगतिशील हो जाए पर विवाह के में मामले लोग अधिकांश प्रेम विवाह के पक्ष में नहीं होते है। ताजा मामले में तमिलनाडु के एक मंत्री की नवविवाहिता बेटी ने बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर से अपने पिता की शिकायत की है। मंत्री पीके शेखर बाबू की बेटी जयाकल्याणी ने पिता से ही सुरक्षा की मांग की है। बता दें कि बाबू को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का करीबी माना जाता है। मंत्री की बेटी ने पति सहित सुरक्षा की मांग की है। जयाकल्याणी ने पुलिस कमिश्नर कमल पंत को एक मेमोरेंडम दिया है। जयाकल्याणी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह सतीश कुमार से प्यार करती थीं और परिवार की इच्छी के विरुद्ध उन्होंने शादी कर ली। उन्होंने कहा, मेरे मां बाप नहीं चाहते थे कि मैं सतीश कुमार से शादी करू। जब मैंने एक महीने पहले शादी करने की कोशिश की तो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और सतीश तो दो महीने हिरासत में रखा। मुझे लगता है इसके पीछे मेरे मां-बाप का हाथ था। उन्होंने कहा, मैं बालिग हूं और सहमति से शादी की है। हमें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इसलीलिए मैंने बेंगलुरु पुलिस से पुलिस प्रोटेक्शन की मांग की है। हिंदू कार्यकर्ता भरत शेट्टी ने कहा कि इस जोड़े ने सोशल मीडिया के जरिए उनसे भी मदद मांगी है। जयाकल्याणी और सतीश ने हिंदू परंपरा के मुताबिक विवाह किया था। चेन्नई में ही शादी का समारोह हुआ था। हालांकि इसमें परिवार के बहुत कम लोग शामिल हुए थे।

तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 29 महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है इस अवसर पर देश-दुनिया में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है, आज के इस अवसर पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में उन महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार दिया, जिन्होंने महिलाएं सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक सहित अन्य क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है। आपको बता दे कि नारी शक्ति पुरस्कार 2022 भारत सरकार की एक पहल है, जिसके तहत महिलाओं को भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय और उत्कृष्ट काम करने वाली 29 महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति ने इन महिलाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया

घोड़े पर सवार होकर विधान सभा पहुंचीं एमएलए महिला दिवस पर दिया संदेश

नई दिल्ली । विश्व महिला दिवस है। हर साल की तरह इस बार भी 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य हमारे समाज में महिलाओं को सशक्त करना और उनकी आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाने और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता% है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर हर कोई अपने जीवन की खास महिला को शुभकामना संदेश भेजते हैं। इसके साथ ही लोग महिलाओं को स्पेशल फील करवाते हैं। इस दिन को यादगार बनाने के साथ देश की महिलाओं को सशक्तीकरण का संदेश देने के लिए आज एक महिला विधायक घोड़े पर सवार होकर विधान सभा पहुंचीं। झारखंड में कांग्रेस पार्टी की विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि देश की हर नारी में दुर्गा और झांसी की रानी है। आज जमाना बदल चुका है इसलिए सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि हर दिन महिलाओं को समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में नगर निगम के स्वास्थ्य केंद्र के एक कर्मचारी ने ली जहरीली दवा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के अश्विनी कुमार फूलपाड़ा स्थित नगर पालिका के फाइलेरिया विभाग के कार्यालय में एक प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मी ने सुबह आत्महत्या करने की कोशिश की. उन्होंने एक पत्र में आरोप लगाया कि उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि उनके वरिष्ठ उन्हें परेशान कर रहे थे। उच्चाधिकारियों का भी विरोध हो रहा है। जिसमें उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य कर्मी के काम नहीं करने पर नोटिस भी दिया गया. इसलिए आत्महत्या का प्रयास किया है। हालांकि, आत्महत्या के प्रयास के दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गए।

अधिकारी बोले- काम नहीं करने पर आत्महत्या करने का नाटक किया

मच्छर भगाने की दवा लेने वाले ओलपाड के गांव कुड़ियाना निवासी 50 वर्षीय प्रतापभाई दह्याभाई पटेल अश्विनी कुमार फूलपाड़ा नगर पालिका के फाइलेरिया विभाग में प्राथमिक स्वास्थ्य कर्मी के पद पर कार्यरत हैं. वे कार्यालय में मच्छर भगाने वाली दवा खाकर आत्महत्या करने की कोशिश करते हुए पकड़े गए। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें वे बेहोश हो जाते हैं और बाद में अन्य कर्मचारी वहीं भाग जाते हैं। बाद में उन्हें 108 की मदद से अस्पताल में शिफ्ट किया गया।

पत्र मिल गया और कर्मचारियों ने परिवार को सूचित किया और उन्हें अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।उनके द्वारा लिखा गया एक पत्र भी प्रकाश में आया है। जिसमें मैं पिछले 25 साल से काम कर रहा हूं। वरिष्ठ ने उन पर मेमो रखने, कारण बताओ नोटिस और भेदभाव का झूठा आरोप लगाया है। पत्र में उन्होंने लिखा, उप स्वास्थ्य अधिकारी एपी भट्ट, कीटाणुशोधन अधिकारी जे.डी. पटेल ने उल्लेख किया था कि एसएसआई रमीलाबेन गामित की मानसिक प्रताड़ना के कारण आत्महत्या करने की कोशिश कर रही थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसके खिलाफ वरिष्ठों की प्रतिक्रिया भी आई है।

वराछा क्षेत्र के कीटाणुशोधन अधिकारी जे. डी। पटेल ने कहा कि वह अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों की रिपोर्ट नहीं कर रहे थे। दो बार शो-कॉज नोटिस भी दिया। उनके कार्य में कोई सुधार नहीं हुआ। वे खुद को व्यवस्थित कार्य नहीं कर रहे था। वह पहले जहां कहीं भी काम कर रहा था, उसके खिलाफ कई शिकायतें मिली थीं। उसने दवा लेने के बाद गलत तरीके से सुसाइड नोट लिखने की साजिश रची है। इससे पहले के जीवन में वह काम कर रहा था। उनके खिलाफ कई शिकायतें आई हैं और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

हार्दिक पटेल का खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल को राजनीति में आने का न्यौता

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में इस साल के अंत में होनेवाले विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पिछले कुछ दिनों में कांग्रेस के पूर्व विधायक और प्रवक्ताओं समेत कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए हैं। कांग्रेस में मची भगदड़ के बीच पार्टी के प्रदेश कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने पाटीदारों के आस्था के केन्द्र खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल को पत्र लिखा है। पत्र में हार्दिक पटेल ने नरेश पटेल को सक्रिय राजनीति से जुड़ने का आग्रह किया है। बता दें कि भाजपा और कांग्रेस के साथ गुजरात में अपनी जमीन तलाश रही आम आदमी पार्टी (आप) भी नरेश पटेल को अपने साथ जोड़ने के लगातार प्रयास कर रही है। नरेश पटेल भी कह चुके हैं कि समाज कहेगा तो वह राजनीति के मैदान में आएंगे और कोरोना की तीसरी लहर से पहले उन्होंने गांव-गांव का भ्रमण भी किया था। हांलाकि कोरोनाकाल के चलते नरेश पटेल के राजनीति में आने का मामला ठंडा हो गया। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने नरेश पटेल को राजनीति में आने का न्यौता देकर फिर एक बार इस मामले को हवा दे दी है। हार्दिक पटेल ने नरेश पटेल को लिखे पत्र में भाजपा शासन में किसान और व्यापारियों की हालत दयनीय होने का उल्लेख किया है। साथ ही पाटीदार समाज के लोगों को सरकार की नीति और कृषि व व्यापार में परेशानी होने का भी उल्लेख किया है। गुजरात में पिछले 30 सालों से एक ही पार्टी का शासन होने से उसकी तानाशाही नीतियों के कारण हमारा गरवी गुजरात और गुजरातियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। सबसे अधिक तानाशाही का शिकार पाटीदार समाज के हजारों युवक हुए हैं। नरेश पटेल को पाटीदार नहीं बल्कि कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के तौर पर सक्रिय राजनीति में आने की खुली अपील की है। हार्दिक ने बाहरी तत्त्वों को भूल कर पाटीदार युवाओं पर भरोसा कर राज्य के हित और अस्तित्व के लिए राजनीति में श्री गणेश करने का नरेश पटेल से आग्रह किया है।

दूसरी ओर खोडलधाम में महिला दिवस के अवसर आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थित नरेश पटेल ने हार्दिक पटेल के पत्र को लेकर बयान दिया। नरेश पटेल ने कहा कि अब तक उन्हें हार्दिक पटेल का कोई पत्र नहीं मिला। उन्हें राजनीतिक दलों की ओर से पार्टी जॉइन करने का न्यौता मिलता रहता है। नरेश पटेल ने कहा कि राजनीति में शामिल होने के बारे में समय आने पर फैसला करूंगा।

पीएम मोदी 12 मार्च को गुजरात आएंगे, भव्य स्वागत की तैयारियां शुरू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 मार्च को गुजरात आ रहे हैं। पीएम मोदी 12 मार्च को अहमदाबाद के नवरंगपुरा स्थित सरदार पटेल स्टेडियम में गुजरात खेल महाकुंभ का प्रारंभ कराएंगे। अहमदाबाद पीएम मोदी के भव्य स्वागत की खासकर सरदार पटेल स्टेडियम में तैयारियां तेज हो गई हैं। स्टेडियम का रंगरोगन किया जा रहा है, आसपास सड़कें भी बनाई जा रही हैं। बता दें कि काफी समय से सरदार पटेल स्टेडियम में कोई कार्यक्रम नहीं हुआ, इस वजह से स्टेडियम के भीतर साफ-सफाई और रंगरोगन किया जा रहा है। गौरतलब है कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेन्द्र मोदी ने राज्य में खेल महाकुंभ की शुरुआत कराई थी। वर्ष 2010 में खेल महाकुंभ के लिए 16.50 लाख जितने खिलाडियों ने पंजीकरण करवाया था। वर्ष 2019 में यह संख्या बढ़कर 39.32 लाख हो गई। इस साल 40 लाख से अधिक खिलाडियों के खेल महाकुंभ में शामिल होने की संभावना है। खेल महाकुंभ में 29 जितने खेल होंगे। दिव्यांग खिलाडियों के लिए 26 खेल होंगे। खेल महाकुंभ में 4 आयु वर्ग के खिलाडी शामिल हो सकेंगे। खेल महाकुंभ के विजेता खिलाडियों के लिए रु 30 करोड़ के नकद पुरस्कार का ऐलान किया गया है। 12 मार्च को अहमदाबाद आ रहे पीएम मोदी अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में खेल महाकुंभ की शुरुआत कराएंगे।